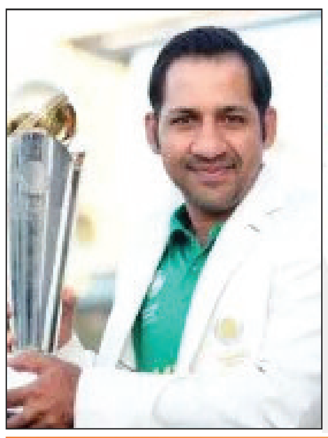

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने संन्यास लिया पेज: 7

'छाप तिलक दिल के करीब पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 333 | सोमवार 16 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

एसआईआर सबसे महत्वपूर्ण पहल, मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता ना हों : ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली एजेंसीः मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। इन राज्यों के किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता न हों मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुताबिक, भीड़ और अव्यवस्था को रोकने के लिए यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता न हों। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के बूथ मतदान केंद्र से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर स्थापित किए जा सकेंगे। मतदाता सूचना पर्ची पर मतदान केंद्र का स्पष्ट नाम, संख्या, भाग संख्या और मतदाता का क्रमांक

भी अंकित होगा। सबसे महत्वपूर्ण पहल मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि पिछले 12 महीनों के दौरान चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और मतदाताओं के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 13 से अधिक नई पहलें शुरू की गई हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण पहल मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण है, जो संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुरूप यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर शत-प्रतिशत वेब प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी। मतदान समाप्त होने के बाद, अंतिम आंकड़ों के अनुसार मतदान प्रतिशत

चुनाव के लिए वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष व्यवस्थाएं

मतदान कक्ष के अंदर भी पर्याप्त रोशनी और बाहर छाया की व्यवस्था की जाएगी ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। चुनाव के लिए वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी।

तुरंत प्रदर्शित किया जाएगा प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी हर दो घंटे में डाले गए मतों की संख्या दर्ज करेंगे, जिससे मीडिया और जनता को प्राप्त होने वाला मतदान प्रतिशत लगभग सटीक रहेगा। मतदान समाप्त होने के बाद, अंतिम आंकड़ों के अनुसार मतदान प्रतिशत तुरंत प्रदर्शित किया जाएगा। एक नई व्यवस्था के तहत मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के बाहर मतदाता अपने मोबाइल फोन जमा कर सकेंगे। मतदान कर बाहर आने के बाद वे अपना मोबाइल वापस प्राप्त कर सकेंगे। इससे मतदान केंद्र के भीतर अनुशासन और गोपनीयता सुनिश्चित होगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों पर सभी उम्मीदवारों के रंगीन चित्र भी प्रदर्शित किए जाएंगे ताकि मतदाता आसानी से अपनी पसंद के उम्मीदवार की पहचान कर सकें। सभी डिजिटल सेवाओं को एक ही मोबाइल अनुप्रयोग में एकीकृत किया गया चुनाव आयोग ने एक और महत्वपूर्ण पहल के रूप में सभी डिजिटल सेवाओं को एक ही मोबाइल अनुप्रयोग में एकीकृत किया है, जिसे ह्यईसीआई नेटह्न नाम दिया गया है। इस एकीकृत अनुप्रयोग में लगभग 40 विभिन्न सेवाएं शामिल हैं। इसके माध्यम से मतदाता अपने पहचान पत्र, मतदान केंद्र की जानकारी, उम्मीदवारों का विवरण, उम्मीदवारों के शपथपत्र, मतदान की प्रगति और मतगणना से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों के बारे में जागरूकता और प्रशिक्षण आयोग ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों के बारे में जागरूकता और प्रशिक्षण के लिए

126 सीटों के लिए 9 अप्रैल को वोटिंग, क्या सरमा बचा पाएंगे सत्ता या गोगोई करेंगे पलटवार?

असम एजेंसीः चुनाव आयोग ने आज शाम 4 बजे नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस कर असम समेत पांच राज्यों के चुनावी कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि असम की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को खत्म हो रहा है, इसलिए राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जाएगा। असम की सभी 126 सीटों के लिए चुनावी बिगुल बज चुका है। एक ही चरण में होगी वोटिंग, 4 मई को आएंगे नतीजे असम में इस बार विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में संपन्न होंगे। राज्य की सभी सीटों पर 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इसके बाद, वोटों की गिनती 4 मई को होगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस बार असम के लगभग 2.5 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे,

क्या एक्टर विजय बनेंगे भाजपा के गेम चेंजर? तमिलनाडु में गठबंधन को लेकर बना बड़ा सस्पेंस

नई दिल्ली एजेंसीः सूत्रों के हवाले से खबर है कि तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी और मशहूर अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत आखिरी दौर में है। बीजेपी की कोशिश है कि विजय की पार्टी को एनडीए के साथ जोड़ा जाए। इसके लिए पार्टी कई रास्तों से विजय से संपर्क साध रही है, जिसमें दूसरे राज्य के एक उपमुख्यमंत्री को बिचौलिया बनाया गया है। उपमुख्यमंत्री पद और 80 सीटों का ऑफर इंडिया टुडे ने बीजेपी सूत्रों के हवाले से बताया कि विजय को एक बड़ा ऑफर दिया गया है। अगर गठबंधन चुनाव जीतता है, तो विजय को उपमुख्यमंत्री का पद मिल सकता है। साथ ही, सीटों के बंटवारे को

लेकर बीजेपी ने उनकी पार्टी को करीब 80 सीटें देने का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, पेंच अभी इस बात पर फंसा है कि विजय खुद मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और इसी मुद्दे पर बातचीत अटकी हुई है। विजय के फैन-बेस पर बीजेपी की नजर बीजेपी को लगता है कि विजय के प्रशंसकों की भारी संख्या तमिलनाडु चुनाव में खेल बदल सकती है। रणनीतिकारों का मानना है कि राज्य के कड़े मुकाबले में अगर सिर्फ 2 प्रतिशत वोट भी इधर-उधर होते हैं, तो जीत-हार का फैसला बदल सकता है।

विजय के आने से बीजेपी को राज्य के चुनावी समीकरण अपने पक्ष में मुड़ने की उम्मीद है। पार्टी के अंदर गठबंधन को लेकर चिंता दूसरी तरफ, विजय के करीबी सलाहकारों में इस गठबंधन को लेकर थोड़ी बेचैनी है। उन्हें डर है कि इतनी जल्दी किसी बड़े राष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा बनने से उनकी पार्टी की साख पर बुरा असर पड़ सकता है। विजय ने राजनीति में अपनी पहचान एक नए और स्वतंत्र विकल्प के रूप में बनाई है। सलाहकारों को चिंता है कि बीजेपी से हाथ मिलाने पर उनकी यह अलग पहचान कहीं फीकी न पड़ जाए।

सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है: मायावती

लखनऊ एजेंसीः बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विरोधी दलों की कथनी और करनी में भारी अंतर होने का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) को 'छलावा' बताते हुए आरोप लगाया कि सपा और अन्य विरोधी पार्टियां इन वर्गों का वोट लेकर सरकार तो बनाती हैं लेकिन बाद में इन तबकों को 'तिरस्कृत' कर देती हैं। मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर रविवार सुबह लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय शिविर कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ लोगों के साथ उनके

चित्र एवं प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' का हित, कल्याण व उत्थान करने वाली 'असली पार्टी' है जबकि सपा व अन्य विरोधी दलों के कथनी व करनी में भारी अंतर होता है। मायावती ने 'बहुजन समाज' के लोगों से आह्वान किया कि वे बसपा से जुड़कर सच्चे, ईमानदार व 'मिशनरी आंबेडकरवादी' बनें और सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर द्वारा संविधान में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए दिये गये अधिकारों को जमीन पर लागू करें। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा के पीडीए को विशुद्ध 'छलावा' करार देते हुए कहा कि वास्तव में दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का हर स्तर पर शोषण करने वाली पार्टियों में भी खासकर सपा का पीडीए प्रेम विशुद्ध छलावा है।

उन्होंने कहा कि सपा को दलितों पिछड़ों, मुस्लिम समाज के लोगों और उनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है लेकिन सरकार बन जाने के बाद वह उन्हें अन्य पार्टियों की ही तरह तिरस्कृत कर देती है। मायावती ने बहुजन समाज के लोगों को सपा, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि ये पार्टियां बहुजन समाज के लिए काम की कम और नाम की ज्यादा हैं।

ममता सरकार ने खोला खजाना, पश्चिम बंगाल के पुजारियों-मुअज्जिनों का भत्ता 4 गुना बढ़ा, डीए पर भी बड़ी खबर

बंगाल एजेंसीः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से ठीक पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के कर्मचारियों और धार्मिक गुरुओं के लिए बड़ी घोषणाएं की हैं। राज्य सरकार ने लंबे समय से लंबित महंगाई भत्ते के बकाये को चुकाने और पुजारियों व मुअज्जिनों के मासिक भत्ते में वृद्धि करने का फैसला लिया है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए इसे अपनी सरकार द्वारा वादा निभाने वाला कदम बताया है। कर्मचारियों को मिलेगा 2009 से लंबित डीए बकाया राज्य सरकार ने घोषणा की है कि 'आरओपीए-2009' के तहत जो महंगाई भत्ता बकाया था, उसका भुगतान मार्च 2026 से चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। इस फैसले का सीधा फायदा राज्य के लाखों सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों, स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मिलेगा। साथ ही पंचायत, नगर

पालिका और अन्य स्थानीय निकायों के स्टाफ को भी इस दायरे में शामिल किया गया है। वित्त विभाग ने इसके लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं। पुजारियों और मुअज्जिनों के मानदेय में भारी इजाफा मुख्यमंत्री ने राज्य के आध्यात्मिक और सामाजिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुजारियों और मुअज्जिनों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। अब तक उन्हें मिलने वाले 500 रुपये के मासिक मानदेय को बढ़ाकर सीधा 2,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। ममता बनर्जी ने बताया कि मानदेय में 1,500 रुपये की यह वृद्धि तत्काल प्रभाव से लागू होगी। साथ ही, जिन नए पुजारियों और मुअज्जिनों ने आवेदन किया था, उन्हें भी सरकार ने मंजूरी दे दी है। चुनावी माहौल ममता बनर्जी ने लिखा कि उन्हें ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने पर गर्व है जहां हर समुदाय और परंपरा का सम्मान किया जाता है। हालांकि, चुनाव की तारीखों के ऐलान से ठीक पहले किए गए इन ऐलानों को विपक्षी दल 'चुनावी दांव' करार दे रहे हैं। सरकार का कहना है कि यह कदम उन वादों को पूरा करने की दिशा में है जो कर्मचारियों और विभिन्न समुदायों से किए गए थे।

असम के चुनावी रण में एएपी की एंट्री, किसका खेल बिगाड़ेंगे केजरीवाल? पहली सूची में 14 योद्धा शामिल

असम एजेंसीः असम विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने 14 नामों का ऐलान किया है, जिनमें राज्य उपाध्यक्ष अनुरुपा डेकाराजा का नाम भी शामिल है। खास बात यह है कि इस पहली लिस्ट के सभी उम्मीदवार ब्रह्मपुत्र घाटी के इलाकों से ताल्लुक रखते हैं। प्रमुख उम्मीदवारों के नाम और सीटें आम आदमी पार्टी के राज्य प्रभारी राजेश शर्मा द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार, अनुरुपा डेकाराजा गुवाहाटी सेंट्रल सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं, रेणुका तिमुंगपी को बोकाजान से उम्मीदवार बनाया गया है। अन्य प्रमुख नामों में अच्युत दास (नाओबोइचा), तपन गोगोई (शिवसागर), जाहिदुल इस्लाम खान (चेंगा), पल्लव सैकिया (टीटाबोर) और जिन्ना आमीर हुसैन (पूर्वी गोलपारा) शामिल हैं। 'आप' इस बार असम में बिना किसी गठबंधन के अकेले चुनाव मैदान में उतर रही है। विधानसभा की मौजूदा स्थिति असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है जिसके पास 64 सीटें हैं। भाजपा के सहयोगी दलों, असम गण परिषद (9), यूपीपीएल (7) और बीपीएफ (3) को मिलाकर सत्ता पक्ष काफी मजबूत है। दूसरी ओर, विपक्ष में कांग्रेस के पास 26, एआईयूडीएफ के पास 15 और माकपा का 1 विधायक है। आम आदमी पार्टी की कोशिश इस बार राज्य में अपना खाता खोलने की है। 9 अप्रैल को डाले जाएंगे वोट असम में विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में 9 अप्रैल को संपन्न होंगे। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि 20 मई को विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

बहुजन राजनीति के नायक कांशी राम को मिले 'भारत रत्न', राहुल गांधी ने पीएम मोदी को पत्र लिख क्यों की यह मांग?

नई दिल्ली एजेंसीः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम को 'भारत रत्न' देने की मांग की है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना यह पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने कांशीराम जी को सामाजिक न्याय का महान योद्धा और करोड़ों लोगों को हक और आत्मसम्मान की राह दिखाने वाला मार्गदर्शक बताया। जयंती के अवसर पर रखा प्रस्ताव राहुल गांधी ने यह पत्र कांशीराम जी की जयंती के मौके पर लिखा है। उन्होंने कहा कि आज जब पूरा देश उनके योगदान और विरासत को याद कर रहा है, तो उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजना एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गांधी ने पत्र में उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस अनुरोध पर विचार करेंगे, क्योंकि यह मांग समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सालों से की जा रही है। दलित राजनीति को दी नई दिशा अपने पत्र

में राहुल गांधी ने कांशीराम जी के कार्यों की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा कि कांशीराम जी ने हाशिए पर पड़े समुदायों को एकजुट कर भारतीय राजनीति का स्वरूप ही बदल दिया। उन्होंने गरीबों और पिछड़ों के मन में यह विश्वास जगाया कि उनका वोट और उनकी आवाज देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उनके प्रयासों की वजह से ही समाज के उन वर्गों के लोग राजनीति में आए, जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में सोचा भी नहीं था। संवैधानिक आदर्शों का सम्मान कांग्रेस नेता ने इस बात पर भी जोर दिया कि कांशीराम जी ने हमेशा संवैधानिक मूल्यों और समानता के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि उन्हें 'भारत रत्न' देना उस पूरे आंदोलन का सम्मान होगा, जिसने बहुजन समाज को अपनी ताकत और अधिकारों का अहसास कराया। राहुल गांधी के अनुसार, कांशीराम जी ने राजनीति को न्याय हासिल करने का एक सशक्त माध्यम बनाया।

कांग्रेस ने 15 साल के शासनकाल में असम के स्वास्थ्य बजट से हर साल 150 करोड़ रुपये हड़पे: अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसीः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम में 15 वर्ष के अपने शासनकाल के दौरान राज्य के स्वास्थ्य सेवा बजट से प्रति वर्ष 150 करोड़ रुपये "अपनी जेब में डाल लिए"। असम में 2,092 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए काम करती है और उन्होंने राज्य की चिकित्सा सुविधाओं को गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों के बराबर लाने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "दस साल पहले असम की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था बदहाल थी क्योंकि कांग्रेस केवल अपने नेताओं के परिवारों की 'आर्थिक सेहत' को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही थी।" कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने के उनके प्रयास में देश को "बदनाम" करने के उनके कृत्यों का कोई भी भारतीय समर्थन नहीं करता। उन्होंने नयी दिल्ली में हाल में हुए एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस के 'शर्ट उतारकर' विरोध प्रदर्शन करने

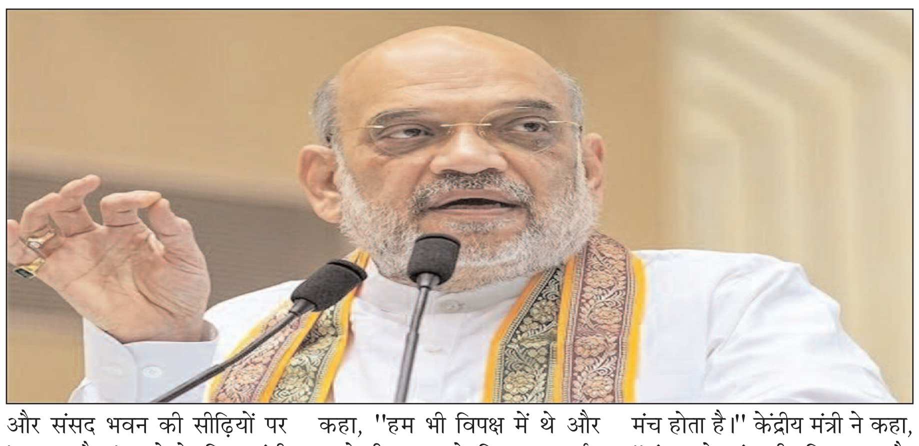

और संसद भवन की सीढ़ियों पर 'चाय-पकौड़ा' खाने के लिए गांधी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, "हम भी विपक्ष में थे और हमने भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए थे, लेकिन इसके लिए एक सही मंच होता है।" केंद्रीय मंत्री ने कहा, "संसद लोकतंत्र की पवित्र जगह है। इसकी सीढ़ियों का इस्तेमाल धरने के लिए भी नहीं किया जाना चाहिए और राहुल गांधी वहां 'चाय-पकौड़ा' खा रहे थे। क्या उन्हें पता नहीं कि नाश्ता कहां करना चाहिए?" शाह ने यहां 675 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) का परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन किया। उन्होंने 'असम कैंसर केयर फाउंडेशन' (एसीसीएफ) के तहत गोलाघाट और तिनसुकिया में निर्मित कैंसर केंद्रों का भी ऑनलाइन तरीके से उद्घाटन किया। इनमें से प्रत्येक केंद्र का निर्माण 135 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने दीफू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (220 करोड़ रुपए), जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (310 करोड़ रुपए) और बारपेटा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (284 करोड़ रुपए) में सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों की ऑनलाइन माध्यम से आधारशिला रखी।

शाह ने गुवाहाटी में 218 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले स्वास्थ्य भवन और 115 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अभयपुरी जिला अस्पताल की भी आधारशिला रखी। शाह असम के दो दिवसीय दौरे पर शनिवार शाम को यहां पहुंचे थे। पूर्वोत्तर राज्य का चार महीने में उनका यह चौथा दौरा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर पश्चिम बंगाल में 18680 करोड़ रुपये की कई बड़ी संपर्क और आधारभूत संरचना परियोजनाओं की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि देश के विकास का एक नया अध्याय बंगाल से लिखा जा रहा है और ये परियोजनाएं व्यापार, उद्योग और रोजगार को नई गति देंगी।

संपादकीय

अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं।

चिंतन-मनन

एक प्रवाह है जीवन

जीवा एक प्रवाह है। वह रुकता नहीं, बहता रहता है। जो बहता है, वही प्रवाह होता है। जिसमें ठहराव है, गतिहीनता है, वह प्रवाह नहीं हो सकता। प्रवाह स्वच्छता का प्रतीक है, जबकि ठहराव में गंदगी की संभावना बनी रहती है। प्रवाह में जीवनी शक्ति है, जबकि ठहराव में अस्तित्व का लोप संभव है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के प्रवाह को आगे बढ़ाना चाहेगा। सवाल एक ही है कि जीवन कैसा हो? भारतीय संस्कृति में उस जीवन को प्रशस्त जीवन माना गया है जो शांत हो, संतुष्ट हो, पवित्र हो और सानंद हो। शांति, संतुष्टि, पवित्रता और आनंद जीवन की महान उपलब्धियां हैं। इनका संबंध बाह्य पदार्थों से नहीं, व्यक्ति की अपनी वृत्तियों से है। पदार्थों का ढेर लग जाए तो भी वहां शांति का जन्म नहीं हो सकता। संतोष की प्राप्ति भी पदार्थ से नहीं हो सकती। संसार की संपूर्ण सुख-सुविधाएं कदमों में आकर बिछ जाएं, फिर भी तोष का अनुभव नहीं होता। तीसरा तत्व है पवित्रता। उसका पदार्थ के साथ कोई रिश्ता ही नहीं है। पदार्थ के साथ जितना गहरा अनुबंध होता है, पवित्रता पर उतना ही सघन आवरण आ जाता है। पवित्रता नहीं है तो आनंद कहां से आएगा? आनंद का निवास तो चित्त की पवित्रता में ही होता है। ऐसी स्थिति में सार्थक जीवन जीने की आकांक्षा अधिक दूभर हो जाती है। शांति का उत्स संयम है। जो लोग संयम से जीते हैं, विशिष्ट शांति का अनुभव करते हैं। स्वतंत्रता से संतोष की प्राप्ति होती है। सोने के पिंजरे में कैद पंछी को कितने ही मेवे-मिष्ठान मिल जाएं, वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। परतंत्रता चाहे बाहर की हो, या भीतर की; वहां आत्मतोष नहीं मिल सकता। जीवन में पवित्रता तब तक नहीं उतर सकती, जब तक साधन-शुद्धि न हो। आनंद का अनुभव उस व्यक्ति को होता है जो स्वस्थ रहता है। इस प्रकार का जीवन भारतीय संस्कृति का जीवन है। ऐसा जीवन कोई भी जी सकता है, बशत्रे कि वह इतना उदात्त जीवन जीना चाहे। जीवन की सार्थकता और व्यर्थता उसकी शैली पर निर्भर है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जन्मदिवस विशेष- सामाजिक और राजनीतिक क्रांति के अग्रदूत मान्यवर कांशीराम साहब

भारत के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में कुछ ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने वंचित, शोषित और उपेक्षित समाज को जागरूक कर उन्हें अधिकारों के लिए संघर्ष करना सिखाया। ऐसे ही महान समाज सुधारक और बहुजन आंदोलन के प्रणेता थे कांशीराम, जिन्हें सम्मानपूर्वक मान्यवर कांशीराम साहब या बहुजन नायक कहा जाता है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन दलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों के उत्थान तथा उनकी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समर्पित कर दिया। कांशीराम का जन्म 15 मार्च 1934 को ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत के रोपड़ जिले के पीरथीपुर बुंगा गाँव में एक रामदासिया सिख परिवार में हुआ था। सिख परिवार में जन्म लेने के कारण उनके बचपन और युवावस्था में जातिगत भेदभाव का अनुभव अपेक्षाकृत कम रहा। सिख गुरुओं की शिक्षाएँ समानता और मानवता पर आधारित थीं, इसलिए उन्हें समाज में अपेक्षाकृत सम्मानजनक वातावरण मिला। उन्होंने विभिन्न स्थानीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त की और 1956 में सरकारी कॉलेज रोपड़ से बीएससी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वे पुणे में स्थित विस्फोटक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला में कार्य करने लगे। यहीं उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ आया, जब उन्होंने पहली बार जातिगत भेदभाव को निकट से देखा। पुणे में नौकरी के दौरान एक दलित कर्मचारी के साथ हुए अन्याय और भीमराव रामजी अंबेडकर की पुस्तक जाति का विनाश पढ़ने से कांशीराम के विचारों में गहरा परिवर्तन आया। वे अंबेडकर के विचारों और दर्शन से अत्यंत प्रभावित हुए और समाज में व्याप्त जातिगत असमानता को समाप्त करने के लिए संघर्ष के मार्ग पर चल पड़े। कांशीराम का मानना था कि जब तक शोषित समाज संगठित नहीं होगा, तब तक उसे न्याय और सम्मान नहीं मिल सकता। इसी उद्देश्य से उन्होंने 1971 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के शिक्षित कर्मचारियों को संगठित करने के लिए BAMCEF (बैकवर्ड एंड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्प्लॉइज फेडरेशन) की स्थापना की। इस संगठन का उद्देश्य अंबेडकरवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करना और शिक्षित वर्ग को सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करना था। बाद में 1981 में उन्होंने दलित शोषित समाज संघर्ष समिति (डीएस-4) की स्थापना की, जिसका उद्देश्य दलितों और शोषित वर्गों को संगठित कर उन्हें सामाजिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु तैयार करना था। बहुजन समाज को राजनीतिक शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से कांशीराम ने 1984 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना की। उनका मानना था कि बहुजन समाज की वास्तविक मुक्ति तभी संभव है जब वे स्वयं सत्ता में भागीदारी प्राप्त करें। बसपा के गठन के समय उन्होंने एक रणनीति प्रस्तुत की– पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा चुनाव ध्यान आकर्षित करने के लिए और तीसरा चुनाव जीतने के लिए लड़ना चाहिए।

धीरे-धीरे यह पार्टी उत्तर प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में मजबूत राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी। 1982 में कांशीराम ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक चमचा युग प्रकाशित की। इस पुस्तक को उन्होंने महान समाज सुधारकों ज्योतिराव फुले, भीमराव रामजी अंबेडकर और पेरियार ई. वी. रामासामी सहित उन सभी क्रांतिकारी व्यक्तित्वों को समर्पित किया जिन्होंने दलित मुक्ति के लिए संघर्ष किया। इस पुस्तक में उन्होंने पूना समझौता के संदर्भ में यह तर्क दिया कि दलितों को स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व विकसित करना चाहिए और उन्हें अन्य राजनीतिक दलों के प्रभाव से मुक्त होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना चाहिए। मान्यवर कांशीराम साहेब के त्याग बलिदान और समर्पण को समर्पित आर एस आघात की एक रचना– हमारे साहब कांशीराम हमारे साहब कांशीराम पीड़ित वंचित शोषित को दी है सत्ता की कमान...हमारे ... संतो गुरुओं महापुरुषों का इतिहास वो लिखवाए, एक -एक को जोड़ सभी को मिला यहां सम्मान...हमारे साहेब... भूले -भटके से बंटे पड़े थे यहां वहां सब जातियों में, बनाके बहुजन सौंप गए वो हमको सत्ता की कमान..हमारे साहेब. सत्ता में संख्या के बल पर हो सबकी हिस्सेदारी, बहुजन का आपस में ऐसे भाईचारा बने महान..हमारे साहेब ... सत्ता पाई राज कराया देखो बहुजन बेटी से, माया बहना ने प्रदेश का किया बहुत उत्थान..हमारे साहेब.. सत्ता से बहुजन को शासक कौम बना गए, मिशन साहेब का बढ़ाओ "आघात" करे आव्हान..हमारे साहेब... 1990 के दशक में कांशीराम ने सामाजिक न्याय की राजनीति को मजबूत करने के लिए मुलायम सिंह यादव के साथ मिलकर पिछड़े और दलित वर्गों की एकता का प्रयास किया। इसी दौर में प्रसिद्ध नारा दिया गया– ह्वमिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम ह्व इस गठबंधन के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बसपा की संयुक्त सरकार बनी, हालांकि बाद में राजनीतिक मतभेदों के कारण यह गठबंधन समाप्त हो गया। बहुजन आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए कांशीराम ने अपनी शिष्या मायावती को आगे बढ़ाया। 2001 में उन्होंने मायावती को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया। मायावती आगे चलकर उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री बनीं और बहुजन राजनीति को नई दिशा दी। मान्यवर कांशीराम साहब का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक न्याय के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है।

उन्होंने बहुजन समाज को यह सिखाया कि शिक्षा, संगठन और राजनीतिक भागीदारी के माध्यम से ही सामाजिक परिवर्तन संभव है। उनका पूरा जीवन बहुजन समाज को जागरूक और संगठित करने में बीता। इसलिए वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति के महान अग्रदूत के रूप में सदैव याद किए जाते रहेंगे। उनके जन्मदिवस के अवसर पर आज के दिन सामाजिक और राजनैतिक क्रांति के अग्रदूत मान्यवर कांशीराम साहब को कृतज्ञ समाज की ओर से नमन करते हैं

लेखक आर एस आघात (मुंबई)

ईरान पर हमला: साम्राज्यवाद ने एक बार फिर अपने पंजे निकाले

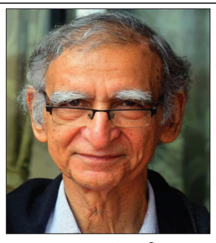

राम पुनियानी

ईरान पर इजराइल और संयुक्त राज्य अमरीका का हमला अत्यंत विनाशकारी साबित हुआ है। अधिकांश युद्धों की तरह, यह युद्ध भी अत्यंत बर्बर है। जंग शुरू करने का बहाना यह बनाया गया कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का शासन अत्यंत क्रूर है, वहां महिलाओं के अधिकारों को कुचला जा रहा है और वह देश परमाणु हथियार बनाने में जुटा हुआ है। दूसरी ओर, ईरान बातचीत करने और उसके दौरान उभरे मुद्दों पर पीछे हटने को तैयार था। बातचीत के दौरान ही इजराइल-अमेरिका गठबन्धन ने लड़ाई शुरू करने का फैसला कर लिया। युद्ध के शुरूआती दौर में उन्होंने ईरान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। खामेनेई की उनके परिवार के कुछ सदस्यों के साथ हत्या कर दी गई और एक स्कूल पर बमबारी में 165 नन्हीं बच्चियां मारी गईं। गठबंधन ने कई बेकसूर नागरिकों को भी निशाना बनाया। इसके अलावा ईरानी नौसेना का एक जहाज, जो भारत के निमंत्रण पर नौसेनिक अभ्यास के लिए भारत आया था, पर अमरीकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने टारपीडो से हमला किया जिसमें जहाज पर मौजूद कई नौसेनिक मारे गए और जहाज डूब गया। ईरान ने साहस के साथ जवाबी कार्यवाही करते हुए अमरीका-इजराइल गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचाया।

इस सारे घटनाक्रम के दौरान भारत की भूमिका देश की नई विदेश नीति के बारे में आंखें खोलने वाली है। भारत गुटनिरपेक्ष हुआ करता था और उसके ईरान से अत्यंत सौहार्दपूर्ण संबंध थे। दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान होता था। अब हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युद्ध शुरू होने के ठीक पहले इजराइल पहुंचे। हमें नहीं पता कि उनकी यात्रा का उद्धेश्य क्या था। उन्हें इजराइल के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया गया और मोदी ने कहा कि भारत इजराइल के अच्छे-बुरे समय में उसका साथ देगा। इसके अगले दिन गठबंधन ने ईरान पर हमला कर दिया। मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत पर ट्वीट नहीं किया और एक खोखला-सा वक्तव्य जारी किया जिसमें हमलावर और हमले के शिकार दोनों में कोई अंतर नहीं बताया गया था। प्रधानमंत्री के रवैये से यह एकदम साफ हो गया कि भारत तटस्थ नहीं है बल्कि वह अमरीका-इजराइल गठबंधन के साथ है।

अब अमेरिका पर वापिस लौटें। हम 1950 के दशक से अमेरिका की कारगुजारियां देख रहे हैं। उसकी भूमिका अपने राजनैतिक और आर्थिक लक्ष्यों की खातिर दूसरे देशों के आतंरिक मामलों में दखलअंदाजी करने की रही है। पहले उसका प्रमुख नारा हुआ करता था कम्युनिज्म से दुनिया को बचाओ जिसके बहाने वह युद्ध छेड़ता रहता था। इस सिलसिले की शुरूआत वियतनाम के साथ हुई थी। वियतनाम फ्रांस का उपनिवेश हुआ करता था। हो ची मिन्ह के नेतृत्व में कम्युनिस्ट सेना ने फ्रांस की सत्ता को उखाड़ फेंका और एक लंबी और जटिल राजनैतिक प्रक्रिया के नतीजे में वियतनाम 17वीं अक्षांश रेखा को सीमा मानकर दो देशों - कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम और पूंजीवादी दक्षिण वियतनाम - में बंट गया। अमेरिका ने वियतनाम के खिलाफ भीषण युद्ध छेड़ दिया जिसमें करोड़ों डालर खर्च हुए। अमेरिका ने रासायनिक हथियारों, नेपाम (गाढ़ा पेट्रोल) और एजेंट ऑरेंज (शक्तिशाली खरपतवार नाशक) का भी इस्तेमाल किया। एजेंट ऑरेंज के उपयोग का उद्धेश्य था जंगलों में पेड़-पौधों की पत्तियों और घास को नष्ट करना ताकि वियतकांग (वियतनामी जनता द्वारा स्थापित की गई सेना) के लिए छिपने की जगह न बचे। नेपाम से बड़ी संख्या में लोगों को जलने के गंभीर घाव हो गए। एजेंट आरेंज से भी कई लोगों के खेत और फसलें बर्बाद हो गईं और पशुओं को भी जान गंवानी पड़ी।

वियतनाम की जनता हो ची मिन्ह के साथ थी। वियतकांग ने गोरिल्ला युद्ध करते हुए जीत हासिल की और अमेरिका ही हार हुई। उसके पांच लाख से भी अधिक सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। एक नए और युवा राष्ट्र से हारने के कारण अमरीका का मनोबल मिट्टी में मिल गया। वियतनाम युद्ध ने यह एकदम स्पष्ट कर दिया कि जो भी अमेरिका की ह्वस्वतंत्र विश्वह्व के नाम से पेश की जा रही उसके हितों तो स्सधने वाली विचारधारा के खिलाफ होगा, वह उसे परास्त करने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

इस बात की पुष्टि आने वाले समय में कई बार हुई जब अमरीका ने एक के बाद एक कई देशों पर इस या उस बहाने से हमला किया। ईरान इसका उदाहरण है। ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही उसके पास तेल का अकूत भंडार है। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की नजरें उस पर टिकी रही हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमरीका और ब्रिटेन दोनों की ईरान में बड़ी मौजूदगी थी। युद्ध के बाद भी इंग्लैंड ने एंग्लो-ईरानियन आयल कंपनी के जरिये ईरान के तेल पर अपना कब्जा बनाये रखा। वह अपने हितों के लिए ईरान के तेल का इस्तेमाल करता रहा। फिर 1951 में मोसादेग की राष्ट्रवादी और चुनी हुई सरकार मे संसद में प्रस्ताव पारित कर देश के तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार, मोसादेग की सरकार के खिलाफ हो गई और उसके विरोधियों को भड़काने लगी। ब्रिटेन और अमरीका ने मिल कर चुनी हुई मोसादेग सरकार के खिलाफ विद्रोह करवाकर अपने पिट्ठू रजा शाह पहलवी की सरकार स्थापित करवा दी। इससे तेल के भंडारों और तेल के व्यापार पर पश्चिमी ताकतों का नियंत्रण बना रहा।

इसी तरह चिली में सल्वाडोर अलेंदे की हत्या कर दी गई और उनकी प्रजातान्त्रिक सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। अलेंदे मार्क्सवादी थे और सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य थे। वे 3 नवम्बर 1970 को चिली के राष्ट्रपति बने। उन्होंने अमरीकी कंपनियों के कब्जे वाले देश के तांबा उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। अमरीका ने 1970 से लेकर 1973 में अलेंदे के तख्तापलट तक उनके खिलाफ गुप्त अभियानों पर 80 लाख डॉलर खर्च किए। सन 1975 में जारी सीनेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमरीका ने चिली को आर्थिक संकट में फंसाने के लिए कई कदम उठाए। सीआईए के समर्थन और सहयोग से हुए सैन्य विद्रोह के जरिये वहां पिनोचे की सरकार सत्ता में आई। पिनोचे अत्यंत क्रूर तानाशाह था और उसने चिली में प्रजातंत्र खत्म कर दिया। उसकी नीतियों के कारण चिली के समृद्ध देश बनने की संभावनाएं भी खत्म हो गईं।

अमरीकी साम्राज्यवाद ने पश्चिम एशिया में भी कहर बरपाया। सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद, अमरीका ने पाकिस्तान के मदरसों में मुजाहिद तैयार करने की व्यवस्था की। उनसे तालिबान और अलकायदा बने। अमरीका ने इन संगठनों को 800 करोड़ डॉलर और 7000 टन हथियार उपलब्ध करवाए (महमूद ममदानी की पुस्तक गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम)। 9/11 ने अमरीका को अफगानिस्तान पर हमला करना का मौका दे दिया। इस हमले में 60,000 लोग मारे गए। पूरे इलाके पर अपना दबदबा कायम करने के लिए अमरीका ने इराक पर हमले के लिए भी एक बहाना खोज लिया। कहा गया कि इराक के पास बड़े पैमाने पर नुकसान करने वाले हथियार हैं। अमरीकी सैनिकों को बताया गया कि इराक के लोग सद्दाम हुसैन के दमन का शिकार हैं और इसलिए इराक में उनका स्वागत मुक्तिदाताओं के रूप में किया जाएगा। अमरीकी सैनिकों को लोग गुलदस्ते और चॉकलेट देंगे। मगर हुआ और कुछ। इस्लामिक स्टेट उठ खड़ा हुआ, कोई महासंहारक अस्त्र नहीं मिला और ना ही सैनिकों का जनता ने स्वागत किया।

उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद ने उसके शिकार देशों और पूरी दुनिया को गहरे घाव दिए हैं। भारत में अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति ने सांप्रदायिक ताकतों को मजबूत किया जिसके नतीजे हम आज भी भुगत रहे हैं। अमरीका के मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द को गढ़ा और उसे लोकप्रियता दी। नतीजे में पूरी दुनिया में मुसलमानों का दानवीकरण हुआ। उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के कारण पूरी दुनिया आज अनेक समस्यओं से जूझ रही है। हम केवल यह उम्मीद कर सकते हैं कि दुनिया साम्राज्यवाद से असली चरित्र को समझेगी और शांति को बढ़ावा देगी।

ट्रम्प की टैरिफ राजनीति और भारत के खिलाफ आर्थिक दबाव की नई रणनीति

वैश्विक व्यापार की राजनीति अक्सर केवल आर्थिक हितों तक सीमित नहीं रहती बल्कि इसके पीछे भू-राजनीतिक रणनीतियां और शक्ति संतुलन की जटिल चालें भी छिपी होती हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत और चीन सहित 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ तथाकथित अनुचित व्यापार व्यवहार की जांच शुरू करना इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके प्रशासन द्वारा अपनाई जा रही यह नीति केवल व्यापारिक नियमों का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा में बढ़ते देशों को नियंत्रित करने का प्रयास भी मानी जा रही है।

पिछले महीने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया था। यह फैसला प्रशासन की व्यापारिक रणनीति के लिए बड़ा झटका माना गया। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन ने नया कानूनी रास्ता खोजते हुए ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच की प्रक्रिया शुरू की। इस प्रावधान के तहत अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि किसी देश पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप साबित होता है तो वह उस देश के खिलाफ एकतरफा टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है।

अमेरिका का आरोप है कि कुछ देश अपनी घरेलू जरूरत से अधिक उत्पादन करते हैं और उस अतिरिक्त माल को सस्ते दामों पर वैश्विक बाजार में बेचते हैं। इसे डंपिंग कहा जाता है। साथ ही अमेरिका यह भी दावा करता है कि कई देश सरकारी सब्सिडी देकर अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से सस्ता बनाते हैं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें। अमेरिका का यह भी कहना है कि कुछ देश अपनी मुद्रा को कमजोर बनाए रखते हैं जिससे उनके निर्यात को बढ़ावा मिलता है और अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होता है।

हालांकि इस पूरे मामले को केवल आर्थिक तर्कों के आधार पर समझना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम उस समय उठाया गया है जब भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं तेजी से वैश्विक व्यापार और उत्पादन के केंद्र बन रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विनिर्माण क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर रुख कर रही हैं। ऐसे समय में अमेरिका द्वारा इस प्रकार की जांच शुरू करना कई विशेषज्ञों को रणनीतिक दबाव की नीति जैसा प्रतीत होता है। ट्रम्प प्रशासन की यह नीति दरअसल अमेरिका फर्स्ट के उस सिद्धांत से जुड़ी है जिसे ट्रम्प ने अपने राजनीतिक अभियान का आधार बनाया था। उनका मानना रहा है कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था ने अमेरिकी उद्योगों और कामगारों को नुकसान पहुंचाया है। इसी सोच के तहत उन्होंने पहले भी कई देशों पर टैरिफ लगाए थे और व्यापारिक समझौतों को दोबारा बातचीत के लिए मजबूर किया था।

लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह नीति वैश्विक व्यापार के लिए अस्थिरता पैदा करती है। यदि अमेरिका अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ लगातार टैरिफ का इस्तेमाल करता है तो इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तनाव बढ़ेगा। इसका असर केवल संबंधित देशों पर ही नहीं बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत के संदर्भ में यह मामला और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। भारत सरकार ने वर्ष 2029 तक देश को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। ऐसे समय में यदि बड़े बाजार भारत के निर्यात पर टैरिफ लगाने लगते हैं तो इससे भारतीय उद्योगों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

हालांकि यह भी सच है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापारिक कूटनीति को मजबूत किया है। भारत अब केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि एक बड़ा उत्पादन केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं जैसी नीतियों ने वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित किया है। इसके अलावा भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं जिससे उसके निर्यात के नए रास्ते खुल रहे हैं।

अमेरिका द्वारा शुरू की गई इस जांच में भारत के अलावा चीन यूरोपीय संघ जापान दक्षिण कोरिया मैक्सिको वियतनाम ताइवान थाईलैंड मलेशिया कंबोडिया सिंगापुर इंडोनेशिया बांग्लादेश स्विट्जरलैंड और नॉर्वे जैसे देश भी शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कदम केवल किसी एक देश के खिलाफ नहीं बल्कि व्यापक वैश्विक व्यापार रणनीति का हिस्सा है।

आने वाले समय में इस जांच की प्रक्रिया के तहत विभिन्न देश और कंपनियां अपनी दलीलें प्रस्तुत करेंगे। मार्च से इस प्रक्रिया की शुरूआत होगी और मई में सुनवाई के बाद अमेरिका कोई फैसला ले सकता है। यदि अमेरिका को अपने आरोपों के समर्थन में पर्याप्त आधार मिल जाता है तो वह इन देशों पर नए टैरिफ लागू कर सकता है।

फिर भी कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह पूरी प्रक्रिया वास्तव में दबाव की रणनीति हो सकती है जिसका उद्देश्य व्यापारिक वार्ता में बेहतर शर्तें हासिल करना है। अमेरिका अक्सर इस तरह की जांच और टैरिफ की धमकी का उपयोग अपने व्यापारिक साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए करता रहा है।

भारत के लिए इस स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए मजबूत कूटनीतिक और आर्थिक रणनीति अपनाए। भारत को अपने निर्यात बाजारों का विविधीकरण करना होगा और घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और मजबूत बनाना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार नियमों के तहत अपने अधिकारों की रक्षा करना भी जरूरी होगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि वैश्विक व्यापार का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। बड़े देश अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए नए नए औजारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे इन दबावों के बीच भी अपनी विकास यात्रा को जारी रखें और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत जगह बनाएं।

जुबिलेंट पहुंचे केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद में आयोजित समारोह में शामिल होने जा रहे केंद्रीय स्वास्थ्य,परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के अतिथि गृह पहुंचे। यहां कंपनी के यूनिट हेड विनोद झा, निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित एवं प्रभारी सीएमओ डा.योगेंद्र सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। बता दें कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए 2019 में यहां आ चुके जेपी नड्डा दोबारा आगमन पर काफी खुश नजर आए। उन्होंने पहुंचते ही इसका जिक्र भी किया।शनिवार को मुरादाबाद जाते समय केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह के साथ कुछ देर के लिए जुबिलेंट के अतिथि गृह में रुके। यहां हसनपुर के विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने भाजपा के जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, देवेंद्र खड़गवंशी, निखिल खड़गवंशी आदि के संग उनसे मुलाकात की। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। यहां राजू गोयल, अंकुर अग्रवाल, हेमराज सैनी, शिखर अग्रवाल, संजय शर्मा आदि भी मौजूद रहे।केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के जुबिलेंट में आगमन की सूचना पर खुफिया तंत्र के साथ ही पुलिस, स्वास्थ्य एवं एफएसडीए के अधिकारी भी मुस्तैद नजर आए। मंडी धनौरा की सीओ अंजलि कटारिया भी पुलिस बल के साथ मौजूद रहीं। इससे पूर्व हाईवे पर मोहम्मदाबाद के निकट केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं चौधरी भूपेंद्र सिंह के काफिले पर पुष्पवर्षा की गई। यहां हसनपुर के विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, गजरौला की ब्लाक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी, बीडीसी मेंबर आयुष चौधरी आदि भी मौजूद रहे।

राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओ ने किया प्रदर्शन

दरोगा भर्ती परीक्षा के विकल्प मे पंडित शब्द प्रयोग किए जाने के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ता होली चौक पर इकट्ठा हुए। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि पूर्व में वेब सीरीज का नाम घूसखोर पंडित रखकर ब्राह्मण समाज को अपमानित करने का काम किया गया था। ठीक उसी तरह कल रविवार को आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस एस आई भर्ती परीक्षा के हिंदी खंड में एक मुहावरे अवसर के अनुसार बदल जाने वाला के विकल्प के रूप में पंडित शब्द का प्रयोग आपत्ति जनक, संवेदन शील, एवं ब्राह्मण समाज को अपमानित करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को शायद यह याद नहीं कि समाज हित में सहर्ष प्राण त्याग कर शरीर की हड्डियों को वज्र निर्माण हेतु देने वाले ऋषि वशिष्ठ ब्राह्मण थे। जनहित के लिए आचार्य चाणक्य द्वारा दिया गया योगदान भी अविस्मरणीय है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए जिससे भविष्य में कोई ऐसी नीच हरकत करने का दुस्साहस न कर सके। इसके अलावा गांवों में गेस की सप्लाई न होने पर आक्रोश व्यक्त किया गया। अतिशीघ्र गैस सिलेंडर की आपूर्ति पूर्व की भांति पुनः गांव गांव घर घर शुरू किए जाने की मांग की गई। इस अवसर पर महिपाल सिंह प्रांत गन्ना मंत्री भारतीय किसान संघ, कैलाश सिंह एड, जितेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, पीतम सिंह, सुखदेव शर्मा, अल्पेंद्र, मनोज, राकेश सिंह, जय प्रकाश, अमित, वेदपाल, टिंकू, बबलू आदि मौजूद रहे।

17 मार्च को एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम का किया जाएगा आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि उत्तरप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड /उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला कार्य में लगे कुम्हार/परम्परागत कारीगरों, उद्यमियों / शिल्पियों के समन्वित विकास हेतु माटीकला विपणन विकास सहायता एवं प्रचार-प्रसार योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम व टूल किट्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन 17 मार्च को दिन में 11:00 बजे से विकास भवन परिसर, अमरोहा में किया जा रहा है। माटीकला जागरूकता कार्यक्रम का मूल उद्देश्य जनमानस में माटीकला उत्पादों के उपयोग के प्रति आकर्षण पैदा करना तथा माटीकला विधा के कारीगरों को अपने उत्पादों के विपणन हेतु प्रचार-प्रसार के लिए बहुविध प्रेरित करना साथ ही साथ विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, क्रिया कलापों तथा कार्यरत उद्यमियों को उत्पाद विकास, गुणवत्ता एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराना है। जागरूकता कार्यक्रम में उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करायी जायेगी।

ये जागरूकता कार्यक्रम उ०प्र० खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड /उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से भविष्य में माटीकला के उत्पादों की महत्ता, उपयोगिता, आवश्यकता का भान कराने तथा माटीकला के विविध उत्पादों की परिचयात्मक जानकारी देने के साथ-साथ रोजगार स्थापित करने के इच्छुक बेरोजगार व्यक्तियों के लिये अत्यन्त लाभ दायक होंगे अतः उन्हे कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु आमन्त्रित किया जाता है।

तेज हवा और बारिश से मौसम में बदलाव, किसानों की बढ़ी चिंता

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में रविवार को मौसम ने अचानक करवट बदल ली। तड़के करीब पांच बजे से तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो गई, जिससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस से घटकर 16.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम में आई इस ठंडक से जहां आम लोगों को बढ़ती गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर किसानों की चिंता बढ़ गई है। मार्च की शुरूआत से ही तेज धूप के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा था और दिन में गर्मी का असर साफ दिखाई देने लगा था। लोगों को दोपहर के समय गर्मी से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन, शनिवार की दोपहर के बाद अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और आसमान में बादल छा गए। रात होते होते मौसम और अधिक बदला और रविवार सुबह तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश और तेज हवा का असर सबसे ज्यादा गेहूं की फसल पर पड़ने की संभावना है। इस समय खेतों में गेहूं की फसल पककर लगभग तैयार खड़ी है और कई जगह कटाई की तैयारी भी चल रही है। ऐसे में तेज हवा के कारण फसल के गिरने का खतरा बढ़ गया है। यदि फसल खेतों में गिर जाती है तो किसानों को उत्पादन में नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि अगर इसी तरह तेज हवा और बारिश का सिलसिला जारी रहा तो उनकी मेहनत पर पानी फिर सकता है।

मान्यवर कांशीराम जी की जयंती पर केक काटकर मनाया जन्मदिन

अम्बेडकर उद्यान समिति ने धूमधाम से मनाया जन्मोत्सव

हसनपुर /अमरोहा (सब का सपना):- सामाजिक परिवर्तन के महानायक और बहुजन समाज के प्रणेता मान्यवर कांशीराम जी की जयंती आज दिनांक 15 मार्च 2026 को नगर के मौहल्ला कोट खेवान में अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। अम्बेडकर उद्यान समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में समाज के गणमान्य व्यक्तियों और पदाधिकारियों ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त रूप से केक काटकर किया गया, जिसके बाद उपस्थित जनसमूह ने मान्यवर कांशीराम अमर रहे के नारों से आकाश गुंजायमान कर दिया। समाज मान्यवर कांशीराम जी का सदैव ऋणी रहेगाः विजय कुमार गौतम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अम्बेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय कुमार गौतम ने कहा कि समाज मान्यवर कांशीराम जी का सदैव ऋणी रहेगा। आगे कहा कि मान्यवर कांशीराम जी ने अपना पूरा जीवन दबे-कुचले और वंचित समाज को उनका हक दिलाने के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, "कांशीराम जी ने समाज हित में जो उत्कृष्ट कार्य किए हैं और जिस राजनैतिक चेतना का संचार किया है, उसके लिए पूरा समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। उनके द्वारा दिखाए गए संघर्ष के मार्ग पर चलकर ही समाज का कल्याण संभव है।" अम्बेडकर जयंती के अध्यक्ष दिनेश गौतम ने कहा कि अबकी बार अम्बेडकर जयंती ऐतिहासिक होगी। अध्यक्ष दिनेश गौतम ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान करते हुए कहा कि आने वाली अम्बेडकर जयंती को हमें अभूतपूर्व बनाना है। उन्होंने घोषणा की कि इस बार सर्वसमाज के सहयोग से निकलने वाली शोभायात्रा और मंच कार्यक्रम न केवल भव्य होगा, बल्कि ऐतिहासिक भी होगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे बाबा साहब और कांशीराम जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लें। इस अवसर पर समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह, महामंत्री विनोद कुमार गौतम, और कार्यक्रम संयोजक प्रधानाचार्य महीपाल सिंह ने अपने विचार रखे। साथ ही अम्बेडकर जयंती की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती लता सागर, रणवीर सिंह, पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना, और महामंत्री जगवीर सिंह मौर्य ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान मुकेश जाटव, राजीव कुमार, अंकुर सेठी, दिनेश जाटव, आशेराम, गनपत सिंह, लवी सागर, अमित हाली, शिवम सिंघानिया, कलुवा सिंह, धर्मप्रकाश, चन्द्रभान सिंह, राहुल कुमार, रवि कुमार, अमरदीप सिंह और फुर्ती बाबू सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गजरौला में दूषित पानी व मिट्टी के नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक न करने पर भाकियू संयुक्त मोर्चा की महापंचायत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा की एक महापंचायत जुबिलेंट कारखाने के सामने पुल के नीचे हुई। पंचायत में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंश चौधरी ने बताया कि महापंचायत को बुलाने का उद्देश्य जहरीले पानी मिट्टी और आदि के जो नमूने गए थे उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक ना होने से गजरौला क्षेत्र के किसान बहुत आक्रोषित थे। 84 दिन से धरने पर बैठे किसान रिपोर्ट सार्वजनिक करने की बात अधिकारियों से कहते रहे। लेकिन अधिकारी जुबिलेंट कारखाने से हम साज होकर रिपोर्ट को दबाने का काम कर रहे थे। जिसको लेकर किसानों ने करो या मरो के तहत अपनी आवाज को बुलंद करते हुए। आत्मदाह जैसी घटना को अंजाम देने से भी पीछे न हटाने का ऐलान करते हुए। महापंचायत के सभी किसानों को बुलाने का आबाह्वन किया गया। जिसे लेकर सब अधिकारी बैक फुट पर आए। पाल्यूशन विभाग और जल विभाग के अधिकारियों ने किसानों को संतुष्ट करने का प्रयास किया लेकिन फैक्ट्री के खिलाफ कुछ ठोस कार्यवाही न होने से किसान नाराज हुए। संगठन और अधिकारियों के बीच एक हफ्ता सहमति देने पर किसान संतुष्ट हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि यदि एक हफ्ते के अंदर धरना स्थल पर पहुंचकर रिपोर्ट सार्वजनिक करके जुबिलेंट कारखाने के खिलाफ कार्यवाही कराकर किसानों को धरना स्थल पर पहुंचकर संतुष्ट करेंगे यदि ऐसा नहीं हुआ तो एक हफ्ते के बाद संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी और किसान आपस में सहमति बनाकर अगली महापंचायत की घोषणा करेंगे। नरेश चौधरी ने धनोरा तहसीलदार को जुबिलेंट फैक्ट्री के खिलाफ ढाई सौ बीघा जमीन जो रास्तों और तालाबों की है। उसे छुड़वाने को कहा। इस पर तहसीलदार ने जल्द से जल्द खाली करने का आश्वासन दिया। इसलिए किसानों ने आज आत्मदाह का कार्यक्रम टाल दिया। इससे अमरोहा प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। इस अवसर पर मौजूद रहे। राष्ट्रीय महासचिव दलजीत सिंह राष्ट्रीय मुख्य सचिव अरुण सिद्धू, राष्ट्रीय सचिव चौधरी चंद्रपाल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान,सुरेंद्र सिंह,सुरजीत सिंह, तेजपाल सिंह, एहसान अली, ओम प्रकाश सिंह,रामचंद्र सिंह,होमपाल सिंह, अब्दुल रशीद, सचिन चौधरी, इमरान मंसूरी, सुनील चौधरी, शान चौधरी, मोहित चाहल, गंगाराम सिंह,ओम प्रकाश सिंह, चौधरी कृष्णा देवी, नूरदेवी, दयावती देवी, नाजरीन चौधरी, मुन्नी देवी, मीरा देवी, गीत देवी, सूरजमुखी देवी, आदि किसान लोग मौजूद रहे।

रमजान का आखरी अशरा, जहन्नम से आजादी:- मुफ्ती नाज़िर रजा

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- रमजानुल मुबारक अल्लाह तआला की बहुत बड़ी नेमत है। यह वह मुबारक महीना है जिसमें अल्लाह तआला अपने बंदों पर रहमत, मगफि रत और जहन्नम से आजादी के दरवाजे खोल देता है। नगर की मस्जिद कुरैशियान के खतीब व इमाम मुफ्ती नाज़िर रजा ने लोगों को खिताब फरमाते हुए कहा कि रमजानुल मुबारक का महीना बड़ी फजीलत वाला है। हदीस शरीफ में आता है कि रमजान का पहला हिस्सा रहमत, बीच का हिस्सा मगफि रत और आखिरी हिस्सा जहन्नम से आजादी का है। आज हम रमजान के आखिरी अशरे में हैं और यह अशरा बहुत ही मुबारक और अहम है। सहीह बुखारी में हदीस में आता है कि जब रमजान का आखिरी अशरा आता तो नबी करीम ﷺ इबादत में बहुत ज्यादा मेहनत करते, रातों को जागते और अपने घर वालों को भी इबादत के लिए जगाते थे। इससे मालूम हुआ कि आखिरी अशरे में इबादत और ज्यादा करनी चाहिए। इसी आखिरी अशरे में शबे कद्र होती है। अल्लाह तआला कुरआन में फरमाता है, शबे कद्र हजार महीनों से बेहतर है। हमें रमजान के महीने की कद्र करने चाहिए और ज्यादा से ज्यादा इबादत करनी चाहिए।

जनपद में वर्ष 2026 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ भव्य एवं सफल आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला न्यायालय परिसर, अमरोहा में वर्ष 2026 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शनिवार को भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश विवेक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव/ न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश, विवेक ने अपने सबोधन में कहा कि लोक अदालत भारतीय न्याय व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसके माध्यम से वादकारियों को सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में आपसी सहमति और समझौते के आधार पर विवादों का समाधान किया जाता है, जिससे पक्षकारों के समय और धन दोनों की बचत होती है तथा आपसी सौहार्द भी बना रहता है। उन्होंने उपस्थित वादकारियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कराकर इस व्यवस्था का लाभ उठाएं। लोक अदालत के समफ आयोजन हेतु जिला न्यायालय की विभिनन पीठों पर न्यायिक अधिकारियों द्वारा वादों की सुनवाई की गई तथा आपसी समझौते के आधार पर कई मामलों का निस्तारण कराया गया। लोक अदालत में बैंक, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग सहित विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इन विभागों से सम्बन्धित मामलों के समाधान के लिए विशेष काउंटर स्थापित किए गए, जहां पक्षकारों को आपसी सहमति के आधार पर अपने विवादों का निस्तारण कराने का अवसर प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान न्यायालय के न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बडी संख्या में वादकारी उपस्थित रहे। लोक अदालत के माध्यम से कई प्रकरणों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया, जिससे पक्षकारों को त्वरित राहत प्राप्त हुई और न्यायिक प्रक्रिया को भी गति मिली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने बताया कि लोक अदालत का उददेश्य आमजन को सुलभ, त्वरित एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति के आधार पर विवादों का समाधान होने से न केवल न्यायालयों में लम्बित वादों की संख्या कम होती है, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द और सद्भाव भी बढ़ता है। आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 119315 वाद लगाये गये जिसमें से 104758 विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें जिला न्यायालय अमरोहा के कुल 6620 वादों का निस्तारण किया गया है, जिसमें 5731-फौजदारी के वादों का निस्तारण करते हुए 371270/-रू० जुमार्ने के रूप में वसूल हुए तथा विधुत अधिनियम के 700 वादों का निस्तारण अरविन्द शुक्ला अपर सत्र न्यायाधीश / पॉक्सो कक्ष संख्या 02. जनपद अमरोहा द्वारा किया गया तथा कुटुम्ब न्यायालय अमरोहा के वादों के निस्तारण हेतु गठित कमेटी द्वारा पारिवारिक मामलों के 53 वादों का निस्तारण करते हुए 4066000/-रू० प्रतिकर के रूप में दिलाये गये और 02 जोडे साथ-साथ रहने को राजी हुए जिनके मामलों का सफल निस्तारण किया गया तथा न्यायालय में ही पति पत्नी ने एक दूसरे को फुलमाला पहनायी और दोनो को जोड़े सहित राजी खुशी विदा किया गया व सिविल के 44 वादों का निस्तारण किया गया तथा (बैंको के ऋण वसूली वाद, दूर संचार के वाद, ए.आर.टी.ओ. के चालान, पुलिस के चालान आदि) का निस्तारण करते हुए कुल 13870793/-रू0 वसूले गये तथा जनपद के सभी तहसीलों व राजस्व न्यायालयों के कुल 2094 वादों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत के सफल आयोजन में जिला न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारीगण पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण लोकेश राय, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शाकिर हुसैन, विशेष न्यायाधीश शैल्जा राठी, हेमलता त्यागी, अरविन्द शुक्ला, नसीमा खानम, ईश्वर सिंह, संजय चौधरी, नाजमीन बानो, ज्योति चौधरी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ लकी, चेतना सिंह, अवधेश कुमार तृतीय, गीतिका गर्ग, मोनिका, सुप्रिया शर्मा, अर्पिता सिंह, रीतू लोहा, अभिषेक चौहान, अमनदीप, नसीम अहमद व रश्मि सिंह द्वितीय, अधिवक्ता तथा न्यायालयीन स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा।

बहजोई में सपा की बैठक आयोजित, कांशीराम का जन्मदिवस दिवस मनाया

नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर सामाजिक न्याय के लिए उनके संघर्ष को किया याद

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की बैठक रविवार को जिला मुख्यालय स्थित कैंप कार्यालय बहजोई में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार बहुजन नायक काशीराम का जन्मदिवस बहुजन समाज दिवस और पीडीए दिवस के रूप में मनाया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष, सांसद, विधायक, पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने कांशीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को याद किया। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि कांशीराम हमेशा दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और सभी वर्गों की आवाज उठाते रहे। उन्होंने सामाजिक धारा से दूर हुए लोगों को

जोड़ने का काम किया। उन्होंने बताया कि कांशीराम का जन्म 15 मार्च 1934 को पंजाब के रोपड़ जिले में हुआ था। वे एक महान समाज सुधारक, राजनेता और बहुजन समाज की आवाज को मजबूत करने वाले नेता थे। राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि कांशीराम ने अपने जीवन में दलितों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने 1973 में ऑल इंडिया बैकवर्ड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्प्लॉइज फेडरेशन बामसेफ की स्थापना की और सामाजिक जागरूकता का बड़ा आंदोलन खड़ा किया। गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी यादव ने कहा कि कांशीराम ने दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज को राजनीति में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी का नारा दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। असमोली विधायक प्रतिनिधि प्रमोद यादव ने कहा कि कांशीराम का जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए संघर्ष की प्रेरणा देता है। उनके जन्मदिवस पर सभी को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। चंदौसी से पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी ने भी माल्यार्पण कर कांशीराम को याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि सभी कार्यकर्ता संकल्प लें कि संभल जिले की सभी विधानसभा सीटें जीतकर अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का काम करेंगे। बैठक के दौरान ठेकेदार रमेश जाटव को जिला अध्यक्ष, सांसद और विधायक की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी की सदस्यता भी दिलाई गई। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि अखिलेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष अमित यादव, इसराइल सैफी,उमेश यादव, ताहिर उल्ला खान, वरिष्ठ नेता लड्डुन मियां, ओमप्रकाश प्रजापति, कामरेड रेवाराम, सगीता पाल, उमेश दिवाकर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक आयोजित,दस परिवारों में हुआ समझौता

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ प्रदीप कुमार सिंह के निदेर्शानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई। बैठक नियमित काउंसलिंग परामर्श केंद्र के प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान पति-पत्नी के बीच हुए आपसी विवादों को काउंसलिंग के माध्यम से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। बैठक में कुल 73 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 29 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया। वहीं 10 परिवारों में आपसी

समझौता कराकर उन्हें दोबारा साथ रहने के लिए राजी कराया गया। इसके अलावा 15 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद कर दिया गया, जबकि 4 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, पूनम अरोरा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा, कंचन माहेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक तथा महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलोत सहित अन्य कर्मचारी मौजूद

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में हजारों मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 244वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 33 चिकित्सकों और 129 पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 2337 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया, जिनमें 1091 पुरुष, 862 महिलाएं और 384 बच्चे शामिल रहे। आरोग्य मेले के दौरान आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 124 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर बुखार

के 223, चर्म रोग के 511, दमा के 353, मधुमेह के 121, नेत्र रोग के 10, उच्च रक्तचाप के 157 तथा अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच और उपचार किया गया। बुखार से संबंधित मरीजों में से 15 लोगों की मलेरिया और 5 मरीजों की डेंगू की जांच की गई, जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन से संबंधित परामर्श देने और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग से काउंटर भी बनाए गए। जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में आशा कार्यकताओं ने संचारी रोगों से बचाव और सोर्स रिडक्शन के प्रति लोगों को जागरूक किया। साथ ही एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 157 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया। मेले में आए 32 मरीजों को टेलीमेनस कंसल्टेंसी की सुविधा भी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण भी किया।

विकास खण्ड रजपुरा में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को ब्लॉक बाल कल्याण एवं सरंक्षण समिति की बैठक सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अक्षय कुमार की अध्यक्षता में विकास खण्ड रजपुरा सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालको को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। बैठक के माध्यम से सभी सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम

पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी राजकुमारी द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं सरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुडी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी तेजपाल सिंह ने सरकार द्वारा बालकों एवं छात्राओं के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 181 112, 1076 आदि हेल्पलाइन नंबर जिनका प्रयोग आपातकाल स्थिति में किया जा सकता है के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। शिक्षा विभाग से एम.एल. पटेल, स्वास्थ्य विभाग से अलीजान, वी.पी गुप्ता, यशवीर सिंह, वीरसिंह एवं आकाश आदि उपस्थित रहे।

बहजोई में भीषण सड़क हादसा, बाइक और स्कूटी की टक्कर में तीन युवकों की मौत

दो गंभीर घायल जिला अस्पताल रेफर, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे

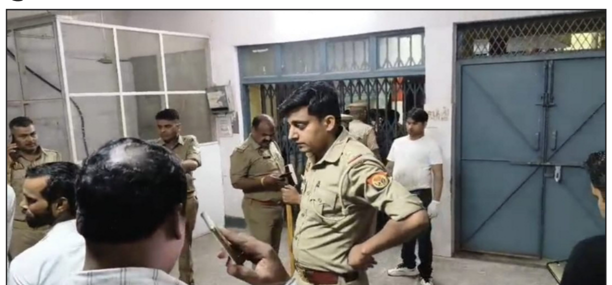

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना बहजोई क्षेत्र में रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इस्लामनगर रोड स्थित गांव मिजार्पुर के पास एंग्लो वैदिक स्कूल के निकट हुआ, जहां बाइक और स्कूटी की आमने-सामने टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब 7 बजे दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटी की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सभी युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। हादसे में फतेह खान पुत्र कदीम (20) और आलम खान पुत्र इरफान (18) निवासी ग्राम मिजार्पुर, सैफ पुत्र इरशाद (18) निवासी मोहल्ला कुरेशियान बहजोई, तथा सत्यवीर पुत्र महेश (18) और गजेंद्र पुत्र बीरपाल (18) निवासी ग्राम मंडनपुर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने सैफ, सत्यवीर और गजेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं फतेह खान और आलम खान की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को संभालने लगे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने भी राहत कार्य में मदद करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धनौरा में जन शक्ति दल की बैठक का आयोजन

जाति-धर्म, राजनीति व गैस की किल्लत जैसी समस्याओं पर चर्चा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में जनशक्ति दल की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को नगर के बाईपास रोड पर स्थित डॉक्टर आर के सैनी के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर रतन सिंह सैनी ने वर्तमान राजनीतिक स्थिति और जन समस्याओं पर प्रकाश डाला। कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए डॉक्टर रतन सिंह सैनी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल जनता का ध्यान जनहित के मुद्दों से भटकाने के लिए उन्हें जाति और धर्म के जाल में उलझा रहे हैं, उन्होंने कहा कि

विकास और शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दे हाशिये पर धकेल दिए गए हैं। इसके अलावा उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक जनता इन विभाजनकारी नीतियों को समझ कर एकजुट नहीं होगी तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं है उन्होंने जनता से एकजुट होने का आवाहन किया। इसके अलावा उन्होंने बैठक में सरकार की आर्थिक नीतियों की भी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि गलत नीतियों के कारण आम आदमी का बजट बिगड़ गया है विरोध रूप में एलपीजी गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों ने ग्रहणियों और गरीब परिवारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द आपूर्ति व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है। इस अवसर पर बैठक की अध्यक्षता कृष्ण कुमार सैनी ने की जबकि रामकुमार सैनी ने इसका कुशल संचालन किया। वहीं बैठक में प्रदेश प्रभारी नाथेराम सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष रामभोरी कुशवाहा, शीशपाल सैनी ,मास्टर गंभीर सिंह सैनी, मुकेश सैनी, सुखबीर सिंह सैनी, इदरीश अली, चंद्रकांत कुशवाहा ,कंबोध कुशवाहा, नेपाल सिंह ,आसिम मलिक सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल 19 मार्च को मनाएगा भारतीय हिंदू नव वर्ष

सम्भल(सब का सपना):- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा 19 मार्च को भारतीय हिंदू नव वर्ष मनाने की घोषणा की गई है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि विक्रम संवत 2083 के प्रथम दिन को उत्साह और जोश के साथ मनाया जाएगा। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि भारतीय हिंदू नव वर्ष के साथ ही प्रकृति में भी परिवर्तन देखने को मिलता है। पेड़ों से पतझड़ समाप्त होकर नई कोंपलें निकलती हैं और

गर्मी के मौसम की शुरूआत होती है। इस समय देश में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होता है, जिससे व्यापार और उन्नति के नए अवसर भी बढ़ते हैं। संगठन ने निर्णय लिया कि 19 मार्च से पूरे मार्च माह में भारतीय हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं दी जाएंगी। व्यापारी एक-दूसरे को हैप्पी न्यू ईयर कहकर नव वर्ष की बधाई देंगे और मोबाइल के माध्यम से भी शुभकामना संदेश भेजेंगे।

बैठक में जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर, उमेश चंद्र वार्ष्णेय, रमेश ग्रेवाल, शाह आलम मंसूरी, विपुल महाजन, चिंटू शर्मा, पहलाद लोधी और उपेंद्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

होली मिलन समारोह आयोजित,सामाजिक कार्यकर्ता का फूल-मालाओं से स्वागत

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- गुन्नौर क्षेत्र के रजपुरा स्थित राधे वाटिका में रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता संजीव यादव का समर्थकों और क्षेत्रवासियों ने फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया और गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान पंडाल में उत्साह का माहौल देखने को मिला। जैसे ही संजीव यादव मंच पर पहुंचे, समर्थकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान ह्यसंजीव भैया जिंदाबादह्न के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा और लोग एक-दूसरे को गले मिलकर होली की बधाई देते नजर आए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जगतगुरु स्वामी सतीशाचार्य मौजूद रहे। संजीव यादव ने सभी को होली

की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का पर्व है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और आपसी सौहार्द के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुन्नौर विधानसभा की जनता का जो प्यार और भरोसा उन्हें मिल रहा है, वह उनके लिए सौभाग्य की बात है और वह क्षेत्र की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर ऑल इंडिया मदर टेरेसा फाउंडेशन के जनरल सेक्रेटरी सरदार सिंह यादव ने भी गुन्नौर क्षेत्र में एक बड़े अस्पताल की स्थापना कराने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में रजपुरा मंडल अध्यक्ष उमेश यादव, डॉ. बनवारी सिंह यादव, भारत सिंह यादव, अरविंद यादव, संजय लंबरदार, केपी यादव, हरवीर यादव, सतीश यादव, दिनेश शर्मा, ऋषीपाल यादव, दीपक राजपूत, टेकचंद राणा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता, क्षेत्र के गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सौतेली मां की हत्या का आरोपी बेटा पुलिस ने किया गिरफ्तार

घरेलू विवाद में हथौड़े से सिर पर वार कर की थी हत्या

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना बहजोई क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते सौतेली मां की हत्या करने वाले आरोपी बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त हथौड़ा भी बरामद किया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों में चर्चा का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार आरोपी आदिफ पुत्र मुरादी ने शनिवार रात करीब नौ बजे अपने ही घर में अपनी सौतेली मां शमीम बानो की हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान खाना न बनाने की बात को लेकर विवाद बढ़ गया। विवाद

इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर आदिफ ने पास में रखा लोहे का हथौड़ा उठा लिया और अपनी सौतेली मां शमीम बानो के सिर पर कई वार कर दिए। सिर पर गंभीर चोट लगने से शमीम बानो की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद घर में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों को भी इसकी जानकारी मिल गई। सूचना मिलने पर बहजोई कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं आरोपी को घर से ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा भी बरामद कर लिया है। इस संबंध में आरोपी के पिता मुरादी पुत्र यासीन निवासी दुर्गा कॉलोनी, थाना बहजोई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अनियंत्रित ट्रक ने ली महिला की जान, नए बस स्टैंड के पास दर्दनाक हादसा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा अंतर्गत मुरादाबाद मार्ग पर स्थित रामलीला ग्राउंड के पास नए बस स्टैंड के समीप आज एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से हुई इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना मुरादाबाद रोड पर रामलीला मैदान के निकट नए बस स्टैंड के पास घटित हुई। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पार कर रही महिला को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला की

मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक चालक वाहन को तेज गति से चला रहा था, जो हादसे के बाद मौके से भागने में सफल रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हादसे की खबर जैसे ही मृतका के घर पहुँची, परिवार में चीख-पुकार मच गई। मौके पर पहुँचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि "सड़कों पर दौड़ते ये 'काल रूपी' अनियंत्रित वाहन आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी निगलते रहेंगे? प्रशासन की सख्ती केवल कागजों तक ही सीमित क्यों रह जाती है?" सूचना मिलते ही स्योहारा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। ट्रक चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है। स्थानीय निवासियों ने नए बस स्टैंड और मुरादाबाद रोड पर बढ़ते अतिक्रमण और तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि व्यस्त इलाका होने के कारण यहाँ अक्सर दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है, लेकिन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं।

रंजिश के चलते दो भाइयों पर जानलेवा हमला

हल्दौर/बिजनौर (सब का सपना) थाना हल्दौर क्षेत्र के ग्राम चूड़ियां खेड़ा के पास शनिवार की शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली से गन्ना डालकर लौट रहे दो भाइयों पर आधा दर्जन युवकों ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका पुलिस ने जिला अस्पताल में मेडिकल कराया है। ग्राम गंगोड़ी हसनपुर जट निवासी प्रिंस और उसका चचेरा (तहेरा) भाई प्रीत शनिवार शाम क्रेशर पर गन्ना डालकर अपने घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही वे चूड़ियां खेड़ा के पास पहुंचे, वहां पहले से घात लगाकर खड़े 4-5 युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया। हमलावरों ने दोनों भाइयों के साथ जमकर बर्बरता ही हदतक मारपीट की। बताया जा रहा है कि प्रिंस को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उसका पूरा शरीर चोटों के निशान से लाल हो गया। शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए।

पीड़ितों ने हमलावरों में से दो की पहचान नांगल जट निवासी युवकों के रूप में की है। इस मामले में जब क्षेत्राधिकारी नगर से वार्ता की गई, तो उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पुरानी रंजिश का लग रहा है। दो दिन पूर्व एक बारात के दौरान इन दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद और झगड़ा हुआ था। शनिवार को हुई मारपीट उसी रंजिश का परिणाम मानी जा रही है। घटना के बाद दोनों पीड़ितों ने थाना हल्दौर पहुंचकर हमलावरों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायलों को चिकित्सीय परीक्षण (मेडिकल) के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मामला संज्ञान में है, तहरीर के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

बिजली का खंबा गिरने से रास्ता बाधित, गांव की सप्लाई ठप

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा क्षेत्र के गांव मुबारकपुर उर्फ गढ़ी में शनिवार रात बिजली का एक खंभा गिरकर टूट गया, जिससे गांव में जाने वाला मुख्य रास्ता बाधित हो गया और बिजली आपूर्ति भी पूरी तरह ठप हो गई। खंभा रास्ते पर ही टिका होने के कारण ग्रामीणों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार रात में किसी समय बिजली का खंभा अचानक गिर गया और सड़क पर ही आकर अटक गया। सुबह जब लोग घरों से बाहर निकले तो रास्ते में खंभा पड़ा देखकर

हैरान रह गए। इसके चलते गांव के लोगों को खेतों और बाजार जाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। खंभा गिरने से गांव की बिजली सप्लाई भी बंद हो गई है, जिससे लोगों के रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार बिजली विभाग को इस समस्या की सूचना दी, लेकिन अब तक कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि खंभे को जल्द नहीं हटाया गया तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। उन्होंने बिजली विभाग से जल्द से जल्द मौके पर पहुंचकर खंभे को ठीक करने और बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इस संबंध में जब जूनियर इंजीनियर विशाल से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि टूटे खंभे को बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और सोमवार को नया खंभा लगाकर बिजली सप्लाई बहाल कर दी जाएगी।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह में सोनम और सौरभ लोहिया बने चैम्पियन

राजकीय महाविद्यालय, सलारपुर गढ़मुक्तेश्वर में प्रथम वार्षिक क्रीड़ा समारोह भव्यता के साथ आयोजन

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- राजकीय महाविद्यालय, सलारपुर गढ़मुक्तेश्वर में प्रथम वार्षिक क्रीड़ा समारोह एवं सांस्कृतिक एवं अलंकरण समारोह का आयोजन भव्यता के साथ किया गया। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अजय कुमार के साथ-साथ आमंत्रित अतिथियों डॉ-सचिन कुमार हूण, योगेन्द्र कुमार, स्मिथ सिंह, रविभूषण शर्मा, गुफरान गफूरी, नुशरल अली, डॉ-अंजली शर्मा, डॉ-देवेन्द्र कुमार, सुनीता, राजेन्द्र कुमार, भारत सिंह, महावीर सिंह एवं विमलेश तथा महाविद्यालय स्टॉफ द्वारा माँ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण, पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर छात्र वर्णिका, तान्या, सिमरन एवं वर्षा द्वारा सरस्वती वंदना तथा काजल, रीतिका, खुशी एवं सिमरन द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यकम के अन्तर्गत बेटी बचाओ-बेटी बढ़ाओ विषय पर वर्णिका द्वारा भाषण, नारी पर रितिका द्वारा कविता पाठ, दीपांशी द्वारा लोक नृत्य प्रस्तुति, सोनम द्वारा देशभक्ति गीत-ए मेरे वतन की सुन्दर प्रस्तुति दी गई। खुशी आर्या ने गीत सुनाकर खूब वाहवाही लूटी। आयोजित खेलों में सर्वाधिक प्रतिस्पधाओं में विजेता छात्रा बीए प्रथम की छात्रा सोनम को छात्रा चैम्पियन व बी-कॉम प्रथम के छात्र सौरभ लोहिया को छात्र चैम्पियन घोषित किया गया। इसी तरह अखिल भारतीय स्तर पर वेसबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली महाविद्यालय की दो छात्राओं काजल एवं सोनम को विशिष्ठ खिलाडी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ-प्रियंका ने किया। द्वितीय सत्र में छात्र एवं अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन करके महाविद्यालय विकास हेतु उनके सुझाव आमंत्रित किये गये तथा फीडबैक फॉर्म भरवायें गये। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ-अजय कुमार ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी सभी महाविद्यालय स्टॉफ की निरन्तर मेहनत की प्रशंसा की तथा उन्हे स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया तथा राष्ट्रगान गाकर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। आयोजित खेलों में छात्र वर्ग में 100 व 200 मीटर दौड़ में सोनम, जम्प में गरिमा, दो किमी पाद चाल में सोनम प्रथम रहे तो वहीं छात्र वर्ग में 100 व 200 मीटर दौड़ व जम्प व दो किमी पाद चाल में सौरभ लोहिया प्रथम रहे। इसी तरह सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संगीत प्रतियोगिता में छात्र अदिति, भाषण प्रतियोगिता में वर्षिका, निबंध प्रतियोगिता में वर्षा व काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रियांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अवध शुगर मिल में विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 370 मरीजों ने उठाया लाभ

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- अवध शुगर मिल एंड एनर्जी लिमिटेड, स्योहारा की यूनिट द्वारा सामाजिक सरोकारों के तहत रविवार को मिल परिसर स्थित डिस्पेंसरी में एक विशाल निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्योहारा और आसपास के ग्रामीण अंचलों से आए लगभग 370 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। अधिशासी अध्यक्ष ने किया शुभारंभ स्वास्थ्य शिविर का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि अवध शुगर मिल के अधिशासी अध्यक्ष सुखबीर सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज ही राष्ट्र की उन्नति का आधार है और शुगर मिल अपने श्रमिकों के साथ-साथ आम जनता के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन करती रहेगी। शिविर में मुरादाबाद के सुप्रसिद्ध सिद्ध हॉस्पिटल से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। डॉक्टरों ने मरीजों के ब्लड प्रेशर, शुगर, हृदय रोग और सामान्य मौसमी बीमारियों की जांच की। परामर्श देने वाली टीम में मुख्य रूप से शामिल रहे, डॉक्टर अनुराग मल्होत्रा,डॉक्टर सिद्धार्थ, डॉक्टर अंकुर, डॉक्टर नेहा, डॉक्टर श्रुति, डॉक्टर मोहम्मद इकराम। प्रेस क्लब संरक्षक डॉ. वीरेंद्र पुष्पक ने शुगर मिल द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजन पर कहा कि "जब औद्योगिक संस्थान व्यापार के साथ-साथ जनसेवा का संकल्प लेते हैं, तो वह समाज के लिए वरदान साबित होते हैं। निशुल्क दवा और विशेषज्ञ परामर्श उन लोगों के लिए बड़ी राहत है जो बड़े शहरों तक पहुँचने में असमर्थ हैं।" शिविर के सफल आयोजन में मिल प्रशासन और नगर के प्रबुद्ध जनों का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान अधिशासी उपाध्यक्ष सुवील, विवेककांत शर्मा, प्रमोद कुमार, मुकेश मिश्रा, विवेक श्रीवास्तव, एडवोकेट राजेश शर्मा, जेके सिंह, दिनेश कुमार और अरविंद कुमार आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे। सुबह से ही मिल डिस्पेंसरी में मरीजों की कतारें लग गई थीं। निशुल्क जांच और दवा मिलने से मरीजों के चेहरे पर संतोष नजर आया। स्थानीय नागरिकों ने शुगर मिल प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक सराहनीय पहल बताया।

भारतीय मानव कल्याण समिति कार्यालय पर होली मिलन समारोह, गीत-संगीत व साहित्य का रहा संगम

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय मानव कल्याण समिति के विनायक मार्ग स्थित कार्यालय पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें गीत, संगीत और साहित्य का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सभासद नवकांत देव शर्मा, विशिष्ट अतिथि कुलदीप वार्ष्णेय और दिनेश चंद्र गुप्ता ने भगवान गणेश और मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। समिति प्रबंधक डॉ. टीएस पाल ने कहा कि होली रंगों, उमंग और खुशियों का महापर्व है। यह त्योहार हमें संदेश देता है कि जैसे होली के रंग मिलकर नया रंग बनाते हैं, वैसे ही हमें भी अपने मतभेद भुलाकर समाज में प्रेम और एकता

का संदेश फैलाना चाहिए। उन्होंने अपनी पंक्तियों में कहा कि जिंदगी वनडे मैच की तरह है, जिसमें रन तो बढ़ते हैं लेकिन ओवर घटते हैं, इसलिए पुण्य के चौके-छक्के लगाते रहें ताकि ऊपर बैठा अंपायर मोक्ष की ट्रॉफी दे सके। कार्यक्रम में दिनेशपाल सिंह दिव्य ने हम संघ पथिक निराले, भारत गौरव गाएंगे सुनाकर वातावरण को उत्साह से भर दिया। वहीं विपिन बालाजी ने जरा घूमने को मेहंदीपुर चलिए गीत प्रस्तुत किया। डॉ. जयशंकर दुबे ने बेटी पर आधारित कविता सुनाई, जबकि शैलेन्द्र वार्ष्णेय ने लोकगीत प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब सराहना बटोरी। विशिष्ट अतिथि कुलदीप वार्ष्णेय ने कहा कि तकदीर के खेल से कभी निराश नहीं होना चाहिए और मेहनत से ही सफलता मिलती है। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं तथा गुजिया और मिष्ठान खिलाकर खुशी साझा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य केजी गुप्ता ने की, जबकि संचालन डॉ. जयशंकर दुबे ने किया। इस अवसर पर सुशील कुमार भोलेनाथ, दारा सिंह एडवोकेट, आकाश कुमार शर्मा, मुकेश वार्ष्णेय, रोशन लाल, कृष्ण मोहन गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, विपिन वार्ष्णेय, सुभाष चंद्र वार्ष्णेय, रतन वार्ष्णेय, श्याम सुंदर दुबे, राजेश पाल, संजय सैनी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

गुलदार के हमले में 10 वर्षीय बालिका की मौत, क्षेत्र में दहशत

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव मुकर्रमपुर में रविवार को उस समय दहशत फैल गई जब खेत से घर लौट रही एक 10 वर्षीय बालिका पर झाड़ियों में घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक हमला कर दिया। बताया जाता है कि बच्ची अपनी मां और भाई के साथ खेत से वापस घर की ओर आ रही थी, तभी झाड़ियों से निकले Leopard ने बालिका को गर्दन से दबोच लिया और जंगल की ओर खींच ले गया। बच्ची की मां और भाई के सामने हुए इस दर्दनाक हमले से मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसके बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए गुलदार का पीछा किया। ग्रामीणों के शोर से घबराकर गुलदार करीब 200

मीटर दूर बच्ची को लहूलुहान हालत में छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। गंभीर रूप से घायल बालिका को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत बच्ची की पहचान अदिति के रूप में बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है, जबकि सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और क्षेत्र में गश्त बढ़ाते हुए गुलदार की तलाश शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द से जल्द गुलदार को पकड़ने की मांग की है ताकि इलाके में दोबारा इस तरह की घटना न हो।

रोजा इफ्तार में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, हजारों लोगों ने किया एक साथ इफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- राजा का ताजपुर क्षेत्र में स्योहारा नूरपुर रोड स्थित नई बस्ती के उत्सव गार्डन में समाजसेवी मकसूद अहमद ठेकेदार की ओर से रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए और सभी ने एक साथ बैठकर रोजा इफ्तार किया। इस अवसर पर क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। इफ्तार पार्टी में हजारों की तादाद में लोगों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और व्यापारी वर्ग से जुड़े लोगों ने भी भाग लिया। सभी धर्मों के लोगों ने एक साथ बैठकर रोजा इफ्तार किया और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। इस मौके पर पूर्व बसपा प्रत्याशी हाजी जियाउद्दीन अंसारी ने कहा कि

रमजान का महीना इबादत और अकीदत का पवित्र महीना है। यह महीना इंसान को सब्र, भाईचारे और इंसानियत का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र महीने में लोगों को एक-दूसरे के साथ प्रेम और सहयोग का भाव रखना चाहिए तथा जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। कार्यक्रम के आयोजक मकसूद अहमद ठेकेदार ने कहा कि रमजान के पाक महीने में रोजा इफ्तार कराने से दिल को सुकून मिलता है। उन्होंने कहा कि इस महीने में गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा नेक काम है और अल्लाह अपने बंदों को उसकी नेकी का बेहतर बदला देता है। इफ्तार कार्यक्रम में कारी गुफरान साजिदी ने पूरे मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे की सलामती के लिए विशेष दुआ कराई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य इमरान भैया, जमील अहमद एडवोकेट, नईम अहमद एडवोकेट, सरफराज सिद्दीकी, मदन सिंह सैनी, डॉ अनीस अहमद अंसारी, सरदार कमलजीत सिंह नूर, डॉ फहीमुद्दीन अंसारी, मतलूब अंसारी, निजाम फारुकी, वीरेंद्र शर्मा, जाहिद मिस्त्री, शमीम अंसारी, सरदार सतेंद्र सिंह गुजराल, कासिम सिद्दीकी, डॉ निसार अहमद, डॉ शौकत अली, अबरार मलिक, सुनील गुर्जर, नसीम अहमद इदरीसी, वीरेंद्र यादव, नवेद अंसारी, नईम अंसारी, इस्लामुद्दीन, दिलशाद अंसारी, डॉ इमरान अंसारी, हाजी हामिद मकरानी, हाजी लईक अहमद फरीदी सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

दिल्ली में अंतरराज्यीय ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़, भारी मात्रा में साइकोट्रापिक दवाएं जब्त

नई दिल्ली। ड्रग्स तस्करों के खिलाफ जारी अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ने एक और अंतरराज्यीय सिंडिकेट के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चार ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार किया है। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने भारी मात्रा में साइकोट्रापिक दवाइयां बरामद की गई है, उक्त दवाओं का इस्तेमाल नशे के आदी लोग नशे के लिए करते है। डीसीपी पंकज कुमार के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम सलमान खान (पटियाला), विपिन कुमार पाल (सोनिया विहार), अब्दुल रहमान उर्फ रेहान (मुजफ्फरनगर) और रवि गर्ग (मुजफ्फरनगर) का रहने वाला है। बीते सात मार्च को क्राइम ब्रांच की टीम जब शास्त्री पार्क स्थित बाबा श्यामगिरी मंदिर के पास मौजूद थी तभी उन्हें जानकारी मिली कि सोनिया विहार का रहने वाला विपिन कुमार पाल नाम का व्यक्ति जो अल्प्राजोलम और ट्रामाडोल जैसी साइकोट्रापिक दवाओं की अवैध रूप से सप्लाई में लिप्त है। शाम साढ़े आठ बजे के बीच युधिष्ठिर सेतु (यमुना ब्रिज) के पास, कश्मीर गेट की तरफ, पटियाला के रहने वाले सलमान खान को दवाओं की खेप सौंपने आने वाला है। उक्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम

ने विपिन कुमार पाल को दबोच लिया। वह एक प्लास्टिक के बोरे के साथ फुटपाथ पर खड़ा था। उसके कुछ ही देर बाद, एक और व्यक्ति सलमान खान आटो रिक्शा में वहां पहुंचा। जब विपिन ने वह बोरा सलमान को सौंपा जब पुलिस टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बोरे की तलाशी लेने पर उसमें अल्प्राजोलम टैबलेट (0.5 एमजी) के 100 डिब्बों वाला एक कार्टन बरामद हुआ। गिनती करने पर, उसमें से 59,925 टैबलेट मिलीं, जिनका वजन 8,089.875 ग्राम था। वह पुलिस के सामने उक्त साइकोट्रापिक दवाओं के लिए कोई भी वैध बिल या डाक्टर का पर्चा पेश नहीं कर पाया। रोहिणी से एफएसएल टीम और ड्रग इंस्पेक्टर को मौके पर बुलाकर जांच कराने पर उसकी पहचान साइकोट्रापिक दवा के रूप में हुई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने यह खेप मुजफ्फरनगर के रहने वाले अब्दुल रहमान उर्फ रेहान नामक व्यक्ति के माध्यम से मंगवाई गई थी, और इसे पंजाब के बरनाला में रहने वाले एक अन्य साथी "मनी" तक पहुंचाया जाना था। जांच के बाद अब्दुल रहमान और रवि गर्ग को 13 मार्च को गिरफ्तार कर लिया गया। वह वर्तमान में चार दिनों की पुलिस रिमांड पर है। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने उसे मुजफ्फरनगर स्थित किराए के कमरे पर ले गई। कमरे की तलाशी में 2000 रेक्सोजेसिक(बुप्रेनोरफिन) इंजेक्शन बरामद हुए। दिल्ली में विपिन कुमार पाल और सलमान खान के कब्जे से 59,925 अल्प्राजोलम टैबलेट (0.5 एमजी) बरामद की गईं, जिनका वजन लगभग 8,089.875 ग्राम है। मुजफ्फरनगर में अब्दुल रहमान उर्फ रेहान और रवि गर्ग के कमरे से 2000 रेक्सोजेसिक (ब्यूप्रेनोरफिन) इंजेक्शन (80 बाक्स) बरामद किए गए।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केजरीवाल की एक्साइज पॉलिसी केस ट्रांसफर की याचिका ठुकराई

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की सीबीआई के एक्साइज पॉलिसी केस को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा से किसी अन्य पीठ को स्थानांतरित करने की याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान रोस्टर के अनुसार सीबीआई की याचिका न्यायमूर्ति शर्मा को सौंपी गई है और किसी भी न्यायाधीश के हटने की याचिका संबंधित न्यायाधीश द्वारा ही ली जानी चाहिए। न्यायालय ने कहा, मुझे प्रशासनिक पक्ष से आदेश पारित करके याचिका को स्थानांतरित करने का कोई कारण नहीं दिखता।

दिल्ली के कई क्षेत्रों में सीवर ओवरफ्लो की समस्या, सफाई में लापरवाही और धीमी गति बनी मुख्य वजह

नई दिल्ली। दिल्ली के कई क्षेत्रों में सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है। इसका मुख्य कारण नालों और सीवर लाइनों की नियमित सफाई में लापरवाही है। अगस्त 2023 में दिल्ली के कई क्षेत्रों में आई बाढ़ के कारण गठित जांच समिति ने भी सीवर की सफाई न होने पर गहरी चिंता जताई थी। सीवर ओवरफ्लो की समस्या क्यों है? ट्रंक लाइन (मुख्य सीवर लाइन) और पेरिफेरल लाइन की कभी सफाई नहीं की गई थी। दो वर्ष पहले मुख्य सीवर लाइन की सफाई का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन इसकी गति बहुत धीमी है। दिल्ली में लगभग 205 किलोमीटर लंबी मुख्य सीवर लाइन (1000 मिमी से अधिक व्यास वाली) और 529.5 किलोमीटर लंबी पेरिफेरल सीवर लाइन (1000 मिमी से कम व्यास वाली) की कभी सफाई नहीं की गई थी। वर्ष 2023 में शुरू हुआ था गाद निकालने का काम यमुना की सफाई के लिए एनजीटी द्वारा गठित उच्च स्तरीय यमुना समिति के हस्तक्षेप के बाद वर्ष 2023 में गाद निकालने का काम शुरू हुआ था। दिसंबर 2024 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन अभी तक मात्र 50 प्रतिशत मुख्य सीवर लाइन की सफाई ही हो पाई है। सफाई न होने से सीवर लाइन के अधिकांश हिस्सों में गाद जमा है। वर्ष 2024 में संसद में भी यह मुद्दा उठाया गया था। दिल्ली जल बोर्ड का दावा है कि शेष लगभग 100 किलोमीटर मुख्य सीवर लाइन की सफाई के लिए 29 सुपर सकर मशीनें लगाई गई हैं। कहने को तो 10 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी आंतरिक सीवर लाइन की हर वर्ष सफाई होती है, लेकिन जमीन पर स्थिति अलग है। दिल्ली के कई क्षेत्रों से सीवर ओवरफ्लो की शिकायतें लगातार आती रहती हैं। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक मशीनों से सीवर लाइन की सफाई हो रही है। मुख्य लाइन के साथ-साथ गलियों में आंतरिक लाइनों की सफाई पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सीवर लाइन ढकी होने के कारण सफाई में समय लगता है।

पुलिस ने गौकशी की तैयारी करते दो आरोपियों को दबोचा,उपकरण भी बरामद

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान गौकशी की तैयारी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक बैल समेत कई धारदार औजार और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लईक पुत्र वहीद और शहादत पुत्र सादक के रूप में हुई है। दोनों को जंगल ग्राम

सादातवाड़ी, भीमपुर के कच्चे रास्ते के पास से पकड़ा गया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से एक बैल, दो छुरी, एक हड्डी काटने का बुगदा, एक कुल्हाड़ी, एक लकड़ी का गट्टा, दो रस्सी के टुकड़े, एक प्लास्टिक का तिरपाल तथा चार प्लास्टिक के कट्टे बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर आरोपियों के खिलाफ थाना बहजोई में गौ हत्या निवारण अधिनियम और पशुओं के प्रति क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

किन हालात में किया था डिटेन? दिल्ली एचसी में अवैध हिरासत पर सुनवाई, पुलिस ने 10 कार्यकर्ता छोड़े; एक अब भी लापता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि अवैध हिरासत में लिए जाने का दावा करने वाले सभी 10 कार्यकताओं को रिहा कर दिया गया है। हालांकि याचिकाकताओं की ओर से पेश वकील ने कहा कि इनमें से एक व्यक्ति, रुद्र विक्रम, अब भी लापता हैं। हैबियस कॉर्पस याचिकाओं पर नोटिस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से यह स्पष्ट करने को कहा कि इन लोगों को किन परिस्थितियों में हिरासत में लिया गया था। अदालत ने इस संबंध में दायर तीन हैबियस कॉर्पस याचिकाओं पर पुलिस को नोटिस जारी किया है। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस के साथ अधिवक्ता शाहरुख आलम और जसदीप ढिल्लों अदालत में पेश हुए। सुनवाई के दौरान पुलिस ने कहा कि सभी 10 लोगों को छोड़ दिया गया है, लेकिन अधिवक्ता ढिल्लों ने अदालत को बताया कि रुद्र विक्रम का अब तक पता नहीं चल पाया है। 27 को होगी अलगी सुनवाई इस पर अदालत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वह रुद्र विक्रम का पता लगाए और याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करे। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को संबंधित क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को निर्धारित की है।

दिल्ली में जल संकट से बचाएगा नया वॉटर मास्टर प्लान, पाइपलाइन से बिलिंग तक निजी कंपनियों को मिलेगा जिम्मा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी में पानी से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए एक व्यापक वॉटर मास्टर प्लान तैयार कर रही है। इस योजना के तहत पानी की पाइपलाइन सुधारने, रखरखाव और सप्लाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निजी कंपनियों को भी जोड़ा जाएगा। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को बताया कि शहर की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए मौजूदा जल आपूर्ति ढांचे का अध्ययन किया जाएगा और भविष्य की जरूरतों के अनुसार विस्तार की योजना बनाई जाएगी। समग्र दृष्टिकोण की जरूरत उन्होंने कहा कि पानी के क्षेत्र में मौजूद चुनौतियों से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण की जरूरत है। इसी उद्देश्य से पहली बार दिल्ली के लिए एक वॉटर मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। इसके लिए एक कंसल्टेंट कंपनी को नियुक्त

किया गया है, जो जल स्रोत, भविष्य की मांग, पाइपलाइन मेंटेनेंस और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं का अध्ययन कर रही है। जल आपूर्ति नेटवर्क का होगा विकेंद्रीकरण इस योजना के तहत दिल्ली जल बोर्ड डीजेबी के वितरण नेटवर्क का विकेंद्रीकरण और आंशिक निजीकरण भी किया जाएगा। अगले एक वर्ष के भीतर डीजेबी के आठ कमांड सेंटरों के प्रबंधन के लिए बड़ी निजी कंपनियों से टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। भविष्य में इन कंपनियों को अलग-अलग जोन सौंपे जाएंगे और वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रमुख संचालन गतिविधियों की जिम्मेदारी संभालेंगी। पाइपलाइन मरम्मत से लेकर बिलिंग तक की जिम्मेदारी योजना के तहत निजी कंपनियों को पुरानी जल पाइपलाइन की मरम्मत और बदलाव, बिलिंग और राजस्व वसूली के साथ-साथ नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने का काम दिया जाएगा। एक अधिकारी के मुताबिक, चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट डब्ल्यूटीपी कमांड सेंटर के तहत जल आपूर्ति ढांचे में सुधार का काम पहले ही शुरू हो चुका है। इसमें पुरानी पाइपलाइन बदलना, घरों में नए कनेक्शन देना और अंडरग्राउंड रिजर्वायर को अपग्रेड करना शामिल है। पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जोन के लिए भी जल्द टेंडर जारी किए जाएंगे।

इन क्षेत्रों के लिए विस्तृत डीपीआर तैयार की जा रही है। मांग से कम है पानी का उत्पादन दिल्ली एक तेजी से बढ़ती आबादी वाला शहरी क्षेत्र है, जहां जल आपूर्ति और सीवेज ट्रीटमेंट की मांग लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में शहर में रोजाना करीब 900 से 1,000 मिलियन गैलन प्रतिदिन पानी का उत्पादन होता है, जबकि औसत जरूरत करीब 1,200 एमजीडी है।

पूर्वी दिल्ली में अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने दो पैडलर दबोचा

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी जिला एंटी नारकोटिक्स टीम ने एक अंतरराज्यीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 21.730 किलोग्राम गांजा और 46 ग्राम स्मैक बरामद की है है। पुलिस के अनुसार बरामद ड्रग्स की कीमत 12 लाख रुपये है। एक स्कूटी भी बरामद की है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार रावल ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान गाजियाबाद निवासी फिरोज खान और अकबर के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी खिचड़ीपुर में ड्रग की तस्करी होने वाली है। पहले भी दर्ज हो चुके हैं मामले नारकोटिक्स के इंचार्ज अरुण कुमार के नेतृत्व में एक टीम बनाई। एनएच-नौ पर चेकिंग के दौरान उन्हें घेर लिया। तलाशी लेने पर उनके पास मौजूद दो सफेद बैगों से गांजा व स्मैक बरामद हुई। जांच में पता चला कि फिरोज खान पर पहले भी चार बार गांजा तस्करी के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है और नोएडा में उसके खिलाफ यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से ड्रग लाकर दिल्ली में बेचते थे।

एआई समिट विरोध प्रदर्शनः राजीव कुमार को मिली अंतरिम जमानत, मनीष की अग्रिम जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली में पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने एआई समिट में हुए विरोध प्रदर्शन मामले में आरोपी राजीव कुमार को 28 मार्च तक अंतरिम जमानत दे दी है। साथ ही अदालत ने उसे जांच में शामिल होने और जांच अधिकारी के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित बंसल ने राजीव की याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि याचिकाकर्ता 16 मार्च को जांच अधिकारी के साथ जांच में शामिल होगा और आगे भी जब-जब बुलाया जाए, जांच में सहयोग करेगा। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड साफ सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से अधिवक्ता नागेंद्र कुमार और अमरीश रंजन पांडेय ने दलील दी कि उनका मुवक्किल व्यक्तिगत हैसियत में एक मीडिया कंसल्टेंट है और उसने समिट के लिए स्वतंत्र रूप से पंजीकरण कराया था। बचाव पक्ष ने कहा कि आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड साफ है और वह जांच में सहयोग करने के लिए तैयार है। वहीं, आरोपी मनीष शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत इस पर अब 18 मार्च को फैसला सुनाएगी। यह मामला 20 फरवरी को हुए उस विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है, जब भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाइसी) के कुछ कार्यकर्ता एआई समिट के आयोजन स्थल में घुस गए थे और विरोध प्रदर्शन किया था। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा कर्मियों और मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस का आरोप है कि राजीव कुमार इस पूर्वनियोजित साजिश का हिस्सा था और उसने पूरे घटनाक्रम की मोबाइल फोन से रिकार्डिंग की थी।

दक्षिणी दिल्ली के नेचर बाजार में आग लगी, करीब 50 दुकानें जलकर खाक

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के अंधेरिया मोड़ इलाके में स्थित रविवार सुबह आग लग गई। इस घटना में करीब 50 दुकानें जलकर खाक हो गईं। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने नौ फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया। नेचर बाजार में अलग-अलग राज्यों के पारंपरिक परिधान और क्राकरी, कारपेट आदि की दुकानें हैं। दिल्ली फायर सर्विसेज के अनुसार, आग लगने की सूचना रविवार सुबह 7:37 बजे मिली, जिसके बाद आग पर काबू पाने के लिए आनन-फानन

में दमकल विभाग की 9 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग लगने से सामान जलने के साथ इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। भीड़भाड़ वाले इस बाजार में आग तेजी से फैली और इलाके में चारों ओर धुएं का गुब्बार छा गया। मौके पर भीड़ को नियंत्रित करने और आग बुझाने में मदद के लिए पुलिस टीम भी पहुंची।

दिल्ली सरकार से मुआवजे की मांग वर्तमान में छह मार्च से यहां दस्तकार नाम से एक आयोजन चल रहा है, जिसके लिए दुकानदारों ने बहुत सारी तैयारियां की थी। इस घटना में सब जलकर खाक हो गया। घटना के समय मार्केट में कोई नहीं था, जिसकी वजह से जनहानि नहीं हुई। वहीं अब दुकानदार दिल्ली सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली में संपत्ति विवाद में हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार, तीन साथियों संग दिया था वारदात को अंजाम

नई दिल्ली। बवाना थानाक्षेत्र में संपत्ति विवाद को लेकर पुरानी रंजिश में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर देने के मामले में वांछित आरोपित योगी उर्फ देवराज डबास को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पूठ खुर्द गांव का रहने वाला है। आठ मार्च को वारदात के बाद से वह फरार चल रहा था। इस मामले में शामिल एक नाबालिग को बवाना पुलिस पहले पकड़ चुकी है। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक आठ मार्च को बवाना पुलिस को सूचना मिली थ कि राज वाटिका, पूठ खुर्द, सुल्तानपुर डबास रोड के पास एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां स्कूटी के पास एक व्यक्ति घायल पड़ा हुआ था। छावला बस स्टैंड से हुआ गिरफ्तार उसकी पहचान 24 वर्षीय भूपेंद्र के रूप में हुई थी। वह पूठ खुर्द का रहने वाला था। घायल को अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इस मामले में शामिल आरोपितों को पकड़ने की जिम्मेदारी जिला पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच को भी सौंपी गई थी। एसीपी भगवती प्रसाद व इंस्पेक्टर अरविंद अहलावत के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम को बीते दिनों योगी की गतिविधियों के बारे में एक खास जानकारी मिली। जिसके बाद ह्यूमन इंटेलिजेंस और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर टीम ने योगी का पता लगा उसे शनिवार को नजफगढ़ स्थित छावला बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया।

लूट का विरोध करने पर बिहार में डिलीवरी एजेंट की गोली मारकर की थी हत्या, 5 महीने बाद आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली। बिहार के सीतामढ़ी के महिंदवारा में राहुल कुमार नाम के डिलीवरी एजेंट द्वारा लूटपाट के दौरान विरोध जताने पर उसकी गोली मारकर हत्या कर देने के मामले में शामिल बदमाश बाबुल कुमार को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद पिछले पांच माह से वह फरार था। बिहार पुलिस से बचने के लिए वह बिहार से भागकर दिल्ली आ गया था। उसके मोबाइल की लोकेशन व सीडीआर के आधार पर क्राइम ब्रांच ने बिहार पुलिस की सूचना पर उसे शनिवार को दबोच लिया। डिलीवरी एजेंट का काम करता था पीड़ित डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक बाबुल कुमार, तीन अन्य आपराधिक मामलों में भी शामिल रहा है। बीते 29 अगस्त को, राहुल जब अपने काम पर था, तभी बाबुल ने साथियों के साथ मिलकर उसे पकड़ने के बाद लूटपाट शुरू कर दी थी। वह एक कंपनी में डिलीवरी एजेंट के तौर पर काम करता था। विरोध जताने पर बाबुल ने उसे गोली मार दी और मौके से सभी फरार हो गए थे। जांच के दौरान बिहार पुलिस को बाबुल के दिल्ली में छिपे होने की जानकारी मिली, लेकिन उसका सटीक पता ज्ञात नहीं

था। इस पर दो दिनों तक सक्रिय रूप से काम किया। जिस आधार पर उसे सुलेमान नगर स्थित किराड़ी के घनी आबादी वाले इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। यहां कोर्ट में पेश करने के बाद उसे बिहार पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपी की तलाश में दिल्ली आई पुलिस 12 मार्च को बिहार पुलिस, बाबुल कुमार की तलाश में दिल्ली आई। बिहार पुलिस को बाबुल के ठिकाने के बारे में जानकारी थी, लेकिन उसका सटीक पता व छिपने की जगह के बारे में पता नहीं था। बिहार पुलिस की सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने जांच के बाद उसे दबोच लिया। रेड के दौरान आरोपित खुद को गली नंबर-एक, रतन विहार, किराड़ी सुलेमान नगर में एक बिल्डिंग की सबसे ऊपरी मंज़िल पर बने बाथरूम में छिपने की कोशिश की लेकिन पुलिस टीम ने वहां से उसे ढूंढ लिया। बाबुल कुमार, बिहार के सीतामढ़ी जिला अंतर्गत पुनरवारा गांव का रहने वाला है। वह अपने गांच के आसपास लूटपाट करता था। लूट का विरोध करने पर मारी था गोली बीते 29 अगस्त को राहुल कुमार जब अपनी नौकरी से घर लौट रहा था, तभी बाबुल ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ लूटपाट शुरू कर दी। विरोध जताने पर उसने राहुल पर गोली चला दी और वारदात के बाद सभी मौके से फरार हो गए। बाद में बाबुल बिहार से भागकर दिल्ली आ गया और किराड़ी, सुलेमान नगर में रहने लगा। बिहार से कई लोग अपनी आजीविका की तलाश में इस इलाके में रहते हैं। छह महीनों से वह भी किराड़ी, सुलेमान नगर में रहकर वेल्डर के तौर पर काम करने लगा था।

पूर्व खिलाड़ियों को कोच बनाकर खेलों में वापस लाना चाहिए: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को कहा कि भारत को खेल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूर्व खिलाड़ियों को फिर से खेलों से जोड़कर उन्हें कोच और मेंटर की भूमिका में लाना चाहिए।

आज यहां स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के गोल्डन जुबिली संस्करण के दूसरे दिन कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित कार्यक्रम में अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि खेल कोटे से नौकरी पाने वाले कई खिलाड़ी आज दफ्तरों में काम कर रहे हैं, जबकि उनमें से कई खेलों में लौटकर कोच या मार्गदर्शक के रूप में अधिक बड़ा योगदान दे सकते हैं। यह सम्मेलन दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमें खिलाड़ियों की पूरी यात्रा को ट्रैक करने के लिए डेटा का विश्लेषण करना चाहिए, ताकि प्रतिभा की शुरुआती पहचान हो सके और उन्हें सही समर्थन के साथ तैयार किया जा सके।'

उन्होंने ने राज्य सरकारों से भी खेलों को मजबूत करने में अधिक भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा, 'खेल काफी हद तक राज्य का विषय है और यदि हमें भविष्य में बेहतर परिणाम चाहिए तो राज्यों को अपने बजट बढ़ाने, बुनियादी ढांचा विकसित करने और अधिक कोच नियुक्त करने होंगे।संस्थाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। हमें यह मूल्यांकन करना चाहिए कि सिफारिशों के बाद क्या हासिल हुआ और क्या हमारी व्यवस्थाएं वास्तव में परिणाम दे रही हैं या नहीं।'

इससे पहले डीएसजजेए अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने कहा, 'एसजेएफआई के गोल्डन जुबिली वर्ष में यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। देशभर से आए खेल पत्रकारों का दिल्ली में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है और अनुराग ठाकुर का विशेष आभार, जिन्होंने पत्रकार बिरादरी के साथ संवाद किया।'

जेके बोस इंटर-जोनल टी20 क्रिकेट ट्रॉफी में रोशनारा क्रिकेट क्लब और दिल्ली पुलिस ग्राउंड पर खेले गए मैचों में नॉर्थ जोन और साउथ जोन ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। वहीं एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट में दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए-1) ने स्पोर्ट्स राइटर्स एसोसिएशन ऑफ बेंगलुरु (एसडब्ल्यूएबी-1) को हराया, जबकि स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई (एसजेएएम-1) ने तमिलनाडु स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (टीएनएसजेए-1) को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबला सोमवार को इसी स्थल पर खेला जाएगा, जिसमें डीएसजेए-1 के कुशन सरकार, भारत शर्मा और नॉरिस प्रीतम का सामना एसजेएएम-1 के अमोल करहाड़कर, अश्विन फेरो और अकुश धावरे से होगा।

वंशिका चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंधे कुलदीप यादव, मसूरी में लिए सात फेरे

मसूरी (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी जिंदगी की एक नई पारी शुरू की है। कुलदीप ने शनिवार को उत्तराखंड के मसूरी में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से शादी रचाई।

भारत के कुछ बड़े क्रिकेट स्टार इस शादी में शामिल हुए, जिनमें भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और युजवेंद्र चहल का नाम है। भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में शादी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'अपने जीवन के प्यार से कुलदीप यादव को शादी करते देखकर बहुत खुशी हुई। आप दोनों को जिंदगी भर प्यार, हंसी और ढेर सारा आशीर्वाद मिले। बधाई हो।'

कानपुर के रहने वाले इस जोड़े ने 4 जून 2025 को लखनऊ में एक निजी समारोह में सगाई की थी। वंशिका ने अपनी स्कूलिंग कानपुर से की, जिसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चली गईं। वंशिका भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में कार्यरत हैं। दोनों की शादी पहले नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन वर्ल्ड कप की वजह से इसे टाल दिया गया।

कुलदीप उस भारतीय टीम के अहम सदस्य हैं, जिसने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीता था। कुलदीप यादव ने इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच खेला था, जिसमें 3 ओवरों में 14 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने भारत की ओर से अब तक कुल 17 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 22.42 की औसत के साथ 76 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, 120 वनडे मुकाबलों में कुलदीप यादव के नाम 194 विकेट हैं। इस गेंदबाज ने भारत की तरफ से 54 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 95 विकेट निकाले। कुलदीप अपने करियर में 98 आईपीएल मैच खेल चुके हैं, जिसमें 102 विकेट प्राप्त किए।

टी20 मुंबई महिला लीग के पहले सीजन का आगाज जल्द, रोहित शर्मा ने किया ट्रॉफी का अनावरण

मुंबई (एजेंसी)। Mumbai Cricket Association ने टी20 मुंबई लीग का महिला संस्करण लॉन्च किया। रोहित शर्मा ने ट्रॉफी का अनावरण किया और यह टूर्नामेंट महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टी20 मुंबई लीग के महिला संस्करण का अनावरण किया। पुरुषों की लीग के तीन सफल सीजन होने के बाद एमसीए ने यह फैसला लिया। रोहित शर्मा जो इस लीग का चेहरा हैं, उन्होंने शनिवार को मुंबई में पुरुषों और महिलाओं के आगामी संस्करणों के लिए ट्रॉफी का अनावरण किया।

रोहित ने कहा कि उन्हें मुंबई क्रिकेट के बढ़ते स्तर को देखकर बहुत खुशी होती है। यह सिर्फ आईपीएल टीम तक सीमित नहीं है, बल्कि टी20 मुंबई लीग ने भी कई युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका दिया है। उन्होंने बताया कि इस लीग से कई ऐसे खिलाड़ी निकले हैं, जिन्होंने पहले टी20 मुंबई में खेला और बाद में आईपीएल टीमों और भारतीय टीम तक पहुंचे। उनके मुताबिक यह लीग खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का एक बड़ा मंच बन चुकी है।

महिलाओं को आगे बढ़ने का यह अच्छा मौका

रोहित शर्मा ने यह भी कहा कि पिछले सीजन की शानदार सफलता के बाद इस टूर्नामेंट का फिर से आयोजन होना बहुत अच्छी बात है। वह खुद भी पिछले सीजन में इससे जुड़े थे और उन्होंने देखा कि इसे आयोजित करना आसान काम नहीं था। इस लीग को सफल बनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सभी सदस्यों को श्रेय मिलना चाहिए। इस साल यह टूर्नामेंट और भी बड़ा हो गया है, क्योंकि इसमें तीन महिला टीमें भी शामिल की गई हैं।

इंग्लैंड ने जीता खिताब, भारतीय महिला टीम रही उपविजेता

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को शनिवार को खेले गये एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर के फाइनल में इंग्लैंड से हार के बाद दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। हार के बावजूद भारतीय टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

आज यहां जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड पर हुए फाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड से 0-2 से हार गई। इंग्लैंड के लिए ग्रेस बाल्सडन ने (13वें) और एलिजाबेथ नील ने (43वें) मिनट में गोल किए।

भारत ने खेल की शुरुआत जोरदार तरीके से की। नवनीत कौर ने शुरुआती दो मिनट के अंदर ही अपनी टीम को एक पेनल्टी कॉर्नर दिलाने में मदद की। हालांकि भारतीय टीम के प्रयास को इंग्लैंड की गोलकीपर ने विफल कर दिया। मेजबान टीम ने जबरदस्त अनुशासन दिखाया। उन्होंने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा और साथ ही विरोधी टीम के पाले में भी सेंध लगाने की कोशिशें कीं। पहले क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और दो मिनट बाकी रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। ग्रेस बाल्सडन (13%) ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर से पांचवां गोल दागते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिला दी।

दूसरा क्वार्टर भी पहले क्वार्टर जैसा ही रहा। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों ने एक-दूसरे को अधिक मौके नहीं दिए। पहले हाफ में आठ बार सर्कल में घुसने के बावजूद, भारत इंग्लैंड की रक्षापंक्ति पर दबाव तो बना रहा था, लेकिन वे इंग्लैंड की गोलकीपर की असली परीक्षा नहीं ले पाए। इस वजह से मेहमान टीम हाफ टाइम तक अपनी एक गोल की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रही। बढ़त हासिल करने के बाद, इंग्लैंड ने गेंद को कुशलता से घुमाते हुए और उस पर अपना कब्जा बनाए रखते हुए खेल की रफ्तार को नियंत्रित किया। भारत को दबाव बनाने के कुछ मौके मिले, लेकिन मेहमान टीम की रक्षापंक्ति मजबूती से डटी रही। आखिरकार, एलिजाबेथ नील (43वें) मिनट में किये गये बदौलत इंग्लैंड की बढ़त को दोगुना कर दिया। मिडफ़ील्डर एलिज़ाबेथ भाग्यशाली रहीं, क्योंकि उनकी लगाई शॉट एक भारतीय डिफ़ेंडर से टकराकर बिचू देवी को छकाते हुए गोल में चली गई। इसके साथ ही तीसरे क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड 2-0 से आगे हो गया।

भारत ने एक ऐसे गोल की तलाश में आगे बढ़ना जारी रखा, जो उन्हें मैच में वापस ला सके। स्कोर अपने पक्ष में होने के बावजूद, इंग्लैंड ने अपना सकारात्मक रवैया बनाए रखा और यह सुनिश्चित किया कि वे रक्षात्मक होकर मेजबान टीम को कोई मौका न दें। यह एक बेहद खुला और तेज़-तर्रार अंतिम क्वार्टर था, जिसमें मैच के आखिरी पलों में भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, वे गोल करने में नाकाम रहे और अंततः उन्हें 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

दिन में इससे पहले इटली को 1-0 से हराकर स्कॉटलैंड ने तीसरा स्थान हासिल किया। स्कॉटलैंड के लिए एमी कोस्टेलो ने मैच का एकमात्र गोल किया, जिससे स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली।

पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान पक्का कर लिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया।

उरुग्वे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। उरुग्वे के लिए टेरेसा वियाना ने (23वें), मैग्डालेना वेर्गा ने (36वें) और लूपे कुरुत्चागुए ने (57वें) मिनट में गोल किए।

दिन के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रिया ने सातवें और आठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 1-1 से ड्रा के बाद शूटआउट में (2-1) से जीत के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रिया के लिए क्रिस्टीन वुकोविच ने (तीसरे) मिनट में गोल किया, जबकि कप्तान ली यूरी ने (31वें) मिनट में दक्षिण कोरिया को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में दोनों गोलकीपरों का प्रदर्शन असाधारण रहा, लेकिन यह माइकला स्ट्रेब थीं जिन्होंने ऑस्ट्रिया की जीत सुनिश्चित की, और कार्ला केम्पर ने अपनी टीम के लिए विजई गोल किया।

बीसीसीआई ने फिक्सिंग में फंसे वीडियो एनालिस्ट राजा पर लगाया आजीवन प्रतिबंध

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी ट्रॉफी मैच में फिक्सिंग को देखते हुए वीडियो एनालिस्ट राजा रेड्डी पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इस एनालिस्ट को भ्रष्ट तरीके अपनाने के लिए आजीवन प्रतिबंधित कर दिया है। प्राप्त जानकार के अनुसार बीसीसीआई की एक समिति ने बोर्ड की एंटी-करप्शन विंग की जांच के बाद वीडियो एनालिस्ट राजा पर ये प्रतिबंध लगाया है। ये मामला फरवरी, 2024 की है उस समय इंदौर में आंध्र और मध्य प्रदेश के बीच हुए रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मैच में राजा रेड्डी ने आंध्र के खिलाड़ी गिरिनाथ रेड्डी से फिक्सिंग के लिए संपर्क किया था। राजा उस क्वार्टर फाइनल मैच में बीसीसीआई के एनालिस्ट थे। वह पीएमओव से मान्यता प्राप्त थे और उन्हें थर्ड अंपायर और मैच रेफरी के लिए तय कमरे में बैठने की अनुमति थी। आंध्र टीम मैनेजर की शिकायत के बाद एसीयू अधिकारी ने इस मामले में कदम उठाये। आंध्र टीम के खिलाड़ी गिरिनाथ ने एसीयू को दिए बयान में बताया कि मैच से एक दिन पहले राजा ने उनसे अंतिम ग्यारह की जानकारी मांगी और दो ओवर में पांच रन देने के बदले 5 लाख रुपये का प्रस्ताव रखा। इस दौरान व्हाट्सएप कॉल और चैट हिस्ट्री से पता चला कि राजा ने बार-बार गिरिनाथ से संपर्क करने का प्रयास किया पर गिरिनाथ ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह यह घटना अपने टीम मैनेजर को बताएंगे।

विश्व कप हीरो संजू सैमसन को केरल सरकार करेगी सम्मानित, 16 मार्च को आयोजित होगा विशेष कार्यक्रम

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को उनके गृह राज्य केरल की सरकार द्वारा 16 मार्च को सम्मानित किया जाएगा। इसकी पुष्टि केरल सरकार के खेल मंत्रालय ने की है। मंत्रालय के मुताबिक, राज्य सरकार टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य और टूर्नामेंट के श्रेष्ठ खिलाड़ी रहे संजू सैमसन को सम्मानित करेगी। सम्मान समारोह 16 मार्च को शाम 4 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान करेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार के अन्य मंत्री और विभागों के मुख्य सचिव और गणमान्य अतिथि कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। राज्य खेल मंत्रालय ने संजू सैमसन के स्वागत के लिए शानदार इंतजाम किया है। इससे पहले विश्व कप के बाद पहली बार तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर एयरपोर्ट पर संजू सैमसन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। संजू सैमसन टी20 विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर सबसे अहम और चर्चित खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण के अधिकांश मैचों से बाहर रहे सैमसन को टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में मौका मिला था। उस मैच में सैमसन ने 15 गेंदों पर 24 रन बनाए थे। इस छोटी पारी में उनका आत्मविश्वास साफ दिखा था। इसके बाद अगले तीन मैचों में संजू सैमसन की खेली तीन यादगार पारियों ने न सिर्फ भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने में सबसे अहम भूमिका अदा की, बल्कि उनका नाम भी इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करा दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टरफाइनल जैसे मुकाबले में 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन की पारी खेल सैमसन ने भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 42 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल इस दाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज ने टीम इंडिया को फाइनल का टिकट दिलाया। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल भारत की खिताबी जीत की पटकथा लिखी।

इंडियन वेल्स ओपन: सेमीफाइनल में मेदवेदेव ने अल्काराज को हराया, फाइनल में होगा सिनर का मुकाबला

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। डेनियल मेदवेदेव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में मेदवेदेव ने दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को 6-3, 7-6(3) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। 2026 में लगातार 16 मैच जीतने के बाद अल्काराज की यह पहली हार थी।

मेदवेदेव ने 2024 इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच के बाद अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई है। मेदवेदेव ने आक्रामकता के साथ मैच में कदम रखा था। सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और लगातार सर्विंग से रैलियों को नियंत्रित किया। शुरुआती सेट में अल्काराज की सर्विस तोड़ी और डीप रिटर्न और सॉलिड बेसलाइन प्ले से दबाव बनाए रखा।

अल्काराज, जिन्होंने 2023 और 2024 दोनों में इंडियन वेल्स फाइनल में मेदवेदेव को हराया था, ने दूसरे सेट में वापसी करने की कोशिश की, लेकिन दबाव में मेदवेदेव का शांत रहना अहम साबित हुआ। 4-5 पर दो सेट पॉइंट का सामना करते हुए, रूसी खिलाड़ी ने मजबूत सर्व की और स्पेन के खिलाड़ी से गलतियाँ करवाईं, आखिरकार सेट को टाई-ब्रेक तक ले गए। वहां पहुंचने के बाद, मेदवेदेव ने अपनी रफ्तार बनाए रखी। उन्होंने अपने बनाए दोनों ब्रेक मौकों को भुनाया और अपने सामने आए पांच में से चार ब्रेक पॉइंट जीते। उन्होंने अपनी दूसरी सर्व के पीछे भी दबदबा बनाया, और उन पॉइंट्स में से 74 प्रतिशत जीते।

जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा कि अल्काराज का सामना करना एक चुनौती है। इस नतीजे से मेदवेदेव को इस सीजन में अपनी टूर-लीडिंग 18वीं जीत मिली है। वह साल के अपने तीसरे फाइनल में पहुंच गए हैं। 30 साल के मेदवेदेव पहले ही 2026 में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल और दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में टाइटल जीत चुके हैं। वह इस सीजन में फाइनल में अपने परफेक्ट रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाना चाहेंगे।

रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव का फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जानिक सिनर से होगा। सिनर ने अलेक्जेंडर जेवरेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। सिनर ने चौथे सीड जेवरेव को 6-2, 6-4 से हराकर सेमी-फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। इटैलियन खिलाड़ी ने बेसलाइन से कॉन्फिडेंस के साथ स्ट्राइक किया और अपनी पहली सर्व के पीछे 83 प्रतिशत अंक जीते। इस जीत ने जेवरेव पर सिनर की लगातार छठी टूर-लेवल जीत को मार्क किया और इंडियन वेल्स फाइनल में उनकी पहली एंट्री पक्की कर दी। वह टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले इटैलियन खिलाड़ी बन गए हैं।

धोनी के बिना सीएसके की कल्पना मुश्किल, यह उनका आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है : इरफान पठान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि एमएस धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग (सीएसके) और इंडिन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कल्पना करना बेहद मुश्किल है। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि आईपीएल 2026 संभवत: धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। पठान ने एक बातचीत में कहा कि धोनी अब टीम के भविष्य को तैयार करने की भूमिका निभा सकते हैं और युवा खिलाड़ियों को नेतृत्व के लिए तैयार करेंगे। पठान के अनुसार, धोनी की मौजूदगी मैदान के अंदर ही नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम के लिए बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा कि भले ही यह साफ नहीं है कि धोनी इस सीजन में कितने मुकाबले खेलेंगे, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। पठान का मानना है कि धोनी फ्रेंचाइजी के भविष्य के नेताओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीम में सजू सैमसन और रुतुराज ग्वायकाड़ जैसे खिलाड़ियों को नेतृत्व समूह का हिस्सा बनाया जा सकता है। रुतुराज पहले से ही टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी और संभावित लीडर माने जाते हैं। पठान के मुताबिक फ्रेंचाइजी भविष्य को ध्यान में रखते हुए दो या तीन खिलाड़ियों को नेतृत्व की जिम्मेदारी के लिए तैयार कर रही है, ताकि आने वाले वर्षों में टीम मजबूत बनी रहे।

भारत अंडर 17 महिला टीम की म्यांमार पर रोमांचक जीत

यंगून। पामेला कोंटी के सब्स्टीट्यूट ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें इंडियन अंडर 17 महिला टीम ने शनिवार को यांगून के थुवुन्ना स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से दूसरे मैच में म्यांमार को 3-2 से हराकर शानदार वापसी की। पहले हाफ के आखिर में मेज़बान टीम ने ह्विन विंट वार क्याव (12') और मिन हटोन मे ज़टिर (45') की मदद से बढ़त बनाई, जिन्होंने अल्वा देवी सेनजाम (33') के बराबरी के गोल के बाद गोल किए। दूसरे हाफ में, इंडिया की सब्स्टीट्यूट अनुष्का कुमारी (88') और जोया (90 1') ने कमबैक जीत पूरी की। यह मैच आने वाले एफसी अंडर 17 महिला एशियन कप के लिए इंडिया की तैयारियों का हिस्सा था, जो 1 मई से 17 मई तक चीन के सूज़ौ में होना है। म्यांमार, जिसने कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफ़ाई किया है, इन मैचों का इस्तेमाल अपनी तैयारियों के हिस्से के तौर पर कर रहा है। इंडिया ने इससे पहले गुरुवार को पहला फ्रेंडली मैच 2-0 से जीता था।

वेल्स को 3-0 से हराकर उरुग्वे हॉकी विश्वकप क्वालिफायर में पांचवें स्थान पर

हैदराबाद। उरुग्वे ने शनिवार को पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालिफायर 2026 में पांचवां स्थान पक्का कर लिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया। आज यहां जी. एम. सी. बालयोगी हॉकी ग्राउंड (गाचीबॉवली हॉकी कॉम्प्लेक्स) में उरुग्वे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। उरुग्वे के लिए टेरेसा वियाना ने (23वें), मैग्डालेना वेर्गा ने (36वें) और लूपे कुरुत्चागुए ने (57वें) मिनट में गोल किए। दिन के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रिया ने सातवें और आठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 1-1 से ड्रा के बाद शूटआउट में (2-1) से जीत के साथ सातवां स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रिया के लिए क्रिस्टीन वुकोविच ने (तीसरे) मिनट में गोल किया, जबकि कप्तान ली यूरी ने (31वें) मिनट में दक्षिण कोरिया को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में दोनों गोलकीपरों का प्रदर्शन असाधारण रहा, लेकिन यह माइकला स्ट्रेब थीं जिन्होंने ऑस्ट्रिया की जीत सुनिश्चित की, और कार्ला केम्पर ने अपनी टीम के लिए विजई गोल किया।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने संन्यास लिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। 38 साल के सरफराज के संन्यास लेने की पुष्टि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी की है। सरफराज पाकिस्तान के अकेले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में टीम को जीत दिलायी है। सरफराज ने पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारुपों में खेला है। उन्होंने अपने करियर में 54 टेस्ट, 117एकदिवसीय और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इन मैचों में उन्होंने कुल 6,164 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। विकेटकीपर के तौर पर भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने विकेट के पीछे 315 कैच और 56 स्टंपिंग की।

सरफराज ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में टीम की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने टी20 क्रिकेट में नंबर-1 रैंकिंग हासिल की। इसके अलावा टीम ने लगातार 11 टी20 सीरीज जीतने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया और कई टीमों के खिलाफ क्लीन स्वीप किया।

सरफराज ने टीम को 2017आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत दिलायी थी। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को 180 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ सरफराज पाकिस्तान के पहले कप्तान बने जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता।

सरफराज की कप्तानी में टीम ने आईसीसी अंडर -19 विश्वकप में भी जीत दर्ज की थी।

2007 में किया था डेब्यू, 2023 में खेला आखिरी मैच

सरफराज अहमद ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 2007 में वनडे के रूप में खेला था। वहीं उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में खेला था।संन्यास की घोषणा करते हुए सरफराज अहमद ने कहा कि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। उन्होंने अपने साथियों, कोच, परिवार और फैंस का धन्यवाद किया।

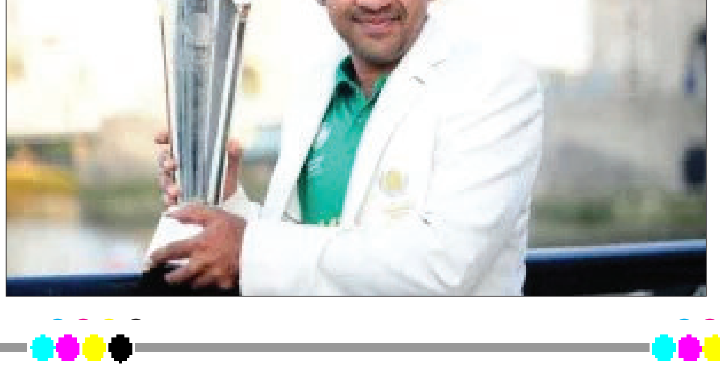

‘छाप तिलक’ दिल के करीब

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ का पहला गाना ‘छाप तिलक’ रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, ‘मैं बहुत खुश हूं कि अब सब ‘छाप तिलक’ सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा।

अविनाश तिवारी ने कहा, ‘फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। ‘छाप तिलक’ हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा।’ यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक ‘छाप तिलक सब छीनी’ पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, ‘हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदार बना देता है।’

पति को मेरे सेट पर आना बोरिंग लगता है, वो और मैं काम के लिए एक-दूसरे की इजाजत नहीं लेते

तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ की फिल्मों से की मगर बहुत जल्द ही बेबी और पिंक जैसी फिल्में करके उन्होंने जता दिया कि सिनेमा को लेकर उनकी चॉइस अर्थपूर्ण है। आगे चलकर उन्होंने नाम शबाना, सांड की आंख, मनमर्जियां, थप्पड़ जैसी कई फिल्मों में महिला मुद्दों को मुखर किया।

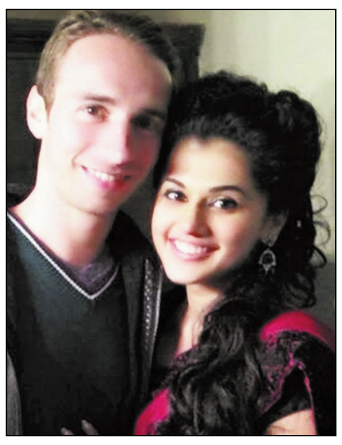

आपने अपने सिनेमा के जरिए लड़कियों के कन्सेंट, वुमन एम्पावरमेंट, घरेलू हिंसा और बलात्कार जैसे कई मुद्दों को छुआ है, अब ऐसा कौन-सा मुद्दा है, जिसे आप अपनी फिल्मों के जरिए दर्शकों तक पहुंचाना चाहती हैं?

ईमानदारी से कहूं तो ऐसा कोई खास मुद्दा मेरे जहन में फिलहाल है नहीं। मेरे पास दो -तीन स्क्रिप्ट हैं, जो किसी धारणा को डायरेक्टली और किसी को इनडायरेक्टली इंगित करती हैं। हमेशा से कहानियों एक नाता सीख से रहा है। बचपन से यही सीखा है, तो तो मेरी एंटरटेनमेंट से भी यही अपेक्षा होती है। हालांकि कई बार सिनेमा महज मनोरंजन के लिए भी बनाया जाता है और मुझे लगता है, वो भी देखा जाना चाहिए। मैं उम्मीद करती हूं कि अस्सी चल जाए और मैं अपने मिजाज का सिनेमा बना सकूं।

आपने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि बॉलिवुड में हीरोइन्स आसानी से रीप्लेस हो जाती हैं?

जी हां बिलकुल हो जाती हैं। मुझे लगता है हीरोइन ही क्यों? कोई भी कलाकार रिप्लेस किया जा सकता है। हमें कभी भी खुद को इतना बड़ा नहीं मानना चाहिए कि हम रिप्लेस नहीं हो सकते। आसानी और मुश्किल का जो भेद है, उसे बनाए रखना चाहिए। आपने अगर अपनी मजबूत जगह बना ली है, तो आपको हिलाना मुश्किल हो सकता है, वो हम एक्टर्स के हाथ में होता है कि हम किस रंग के कलाकारों के साथ खड़े होते हैं, हम किन चरित्रों के लिए जाने जाते हैं।

एक निर्माता बनने पर आपने किन चुनौतियों का सामना किया है?

मैंने कई चुनौतियों का सामना किया है और अभी भी कर रही हूं। ऐसा होता है न कि आपके पास ये कहानी है, तो कोई बड़ा नाम लेकर आइए। बड़े नाम के साथ बड़े खर्चे भी आते हैं, मगर जिस तरह की फिल्में मैं चुनती हूं, उतना उन्हें मिलता नहीं है। इतना बड़ा स्टार इस फिल्म में क्यों आएगा? क्योंकि इसकी तो छोटे बजट की फिल्म है।ये सब उन्हीं कलाकारों को सूट करती हैं, जिनसे आप बड़े स्टार वाली उम्मीदें लेकर नहीं घुसते।

आपके पति (अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो) एक अलग क्षेत्र से हैं, आप लोग एक -दूसरे के प्रोफेशन में कितनी रुचि लेते हैं?

हम जब इंसान के रूप में एक -दूसरे में रुचि लेते हैं, तो हमारा प्रोफेशन तो हमारी जिंदगी का हिस्सा है, तो हम उसमें भी इंटरेस्ट लेते हैं, मगर इतनी भी नहीं कि हम दिन-रात उसी की चर्चा करें। मैं उनके मैच देखती हूं, मुझे जानकारी होती है कि वे किसे कोच कर रहे हैं। अब वो फुलटाइम प्लेयर नहीं हैं। वे कई बार मेरे साथ आउटडोर लोकेशन पर होते हैं, हालांकि वो सेट पर कभी नहीं आते। उन्हें सेट पर आना बहुत बोरिंग लगता है, मगर मेरे साथ समय बिताने के लिए वे मेरे साथ होते हैं। हम दोनों का एक बेहद अच्छा तरीका है, एक-दूसरे के साथ ग्रो करने का। हमें अपने प्रोफेशन को लेकर एक-दूसरे से परमिशन नहीं मांगनी होती। अपने काम के फैसले हमारे अपने होते हैं, मगर अहम उन फैसलों का साथ देते हैं। अच्छा ही है कि हम एक ही क्षेत्र से नहीं हैं।

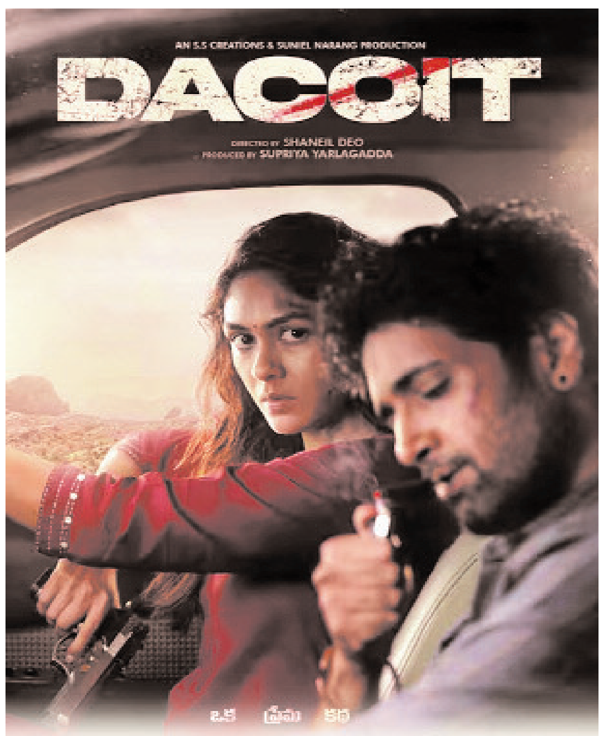

अदिवि शेष-मृणाल की फिल्म ‘डकैत’ की बदली रिलीज डेट

फिल्म ‘धुरंधर 2’ का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो रहा है। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की ‘डकैत’ भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में ‘धुरंधर 2’ और ‘डकैत’ की भिड़ंत नहीं होगी। ‘डकैत’ के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब ‘डकैत’ कब दस्तक देगी?

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म ‘डकैत’ के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अब बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगा महाक्लैश

फिल्म ‘डकैत’ से पहले यश अभिनीत ‘टॉक्सिक’ की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले ‘टॉक्सिक’ भी ‘धुरंधर 2’ के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, ‘टॉक्सिक’ अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत ‘धुरंधर 2’ से ‘टॉक्सिक’ और ‘डकैत’ के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब यह टकराव नहीं होगा।

अनुराग कश्यप भी होंगे फिल्म का हिस्सा

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, ‘गोल्डफिश 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में’। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे।

एक्टिंग से ब्रेक लेंगे वरुण धवन, परिवार को समय देंगे

फिल्म ‘बॉर्डर 2’ में वरुण धवन की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक्टर की अगली फिल्म भी जल्द रिलीज होने वाली है। मगर इससे पहले ही वरुण एक लंबे ब्रेक पर जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह तैयारी भी कर ली है कि वो इन फुरसत के पलों को कैसे बिताएंगे? इस साल वरुण धवन की कई फिल्में रिलीज हुई हैं। साल के शुरुआत में रिलीज हुई ‘बॉर्डर 2’ में एक्टर को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। इसी बीच फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण जल्द ही एक्टिंग से लंबा ब्रेक लेने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने काफी कुछ सोच रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक वरुण पहले ‘बॉर्डर 2’ की शूटिंग और फिर प्रमोशन में काफी व्यस्त थे। अब वो अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। एक्टर अपनी बेटी लारा के साथ रहना चाहते हैं। इसके चलते ही वो कुछ वक्त के लिए काम से दूरी बना सकते हैं। इस दौरान वह पूरी तरह से अपनी बेटी और परिवार को समय देंगे।

‘ओह माय गॉड 3’ का हिस्सा नहीं होंगी रानी मुखर्जी

अक्षय कुमार ‘ओह माय गॉड’ की फ्रैंचाइजी में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ‘ओह माय गॉड 2 के बाद अब तीसरी फिल्म की नई कहानी तैयार हो रही है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी। अक्षय कुमार फिर से डायरेक्टर अमित राय के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। इसका अस्थायी नाम ‘ओह माय गॉडेस’ बताया जा रहा है। पहले रानी मुखर्जी के बारे में खबरें आई थीं कि वे इस फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी।

कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रानी को ऑफर मिला था, उन्होंने कहानी सुनी और इच्छुक भी थीं। अक्षय और रानी के बीच अच्छी दोस्ती है, इसलिए दोनों साथ काम करने के लिए उत्साहित थे, लेकिन वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, रानी मुखर्जी ओह माय गॉड 3 का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए फैंस को अक्षय और रानी को साथ देखने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। ओह माय गॉड 3- इस फिल्म में अक्षय कुमार नजर आएंगे, लेकिन अभिनेत्री की तलाश अभी भी जारी है। हाल ही में रानी मुखर्जी ‘मर्दानी 3’ में नजर आईं। इसमें उन्होंने पुलिस वाली भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की। जानकारी के अनुसार, अब रानी अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म ‘किंग’ में नजर आ सकती हैं।

....बेटे के जन्म के बाद से सब अच्छा हो रहा है

बनारस से बॉलिवुड में किस्मत आजमाने पहुंचे ऐक्टर विनीत कुमार सिंह को एक लंबा संघर्ष देखना पड़ा, लेकिन अब आखिरकार उनकी प्रतिभा की कद्र होने लगी है। बीते साल उन्हें छावा, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और जैसी फिल्मों और वेब सीरीज रंगीन में उम्दा अदाकारी के लिए खूब सराहा गया। वहीं, इस साल की शुरुआत में भी वह वेब सीरीज हैलो बच्चों में चर्चित फिजिक्स टीचर अलख पांडे की लीड भूमिका में नजर आने वाले हैं। विनीत इस अच्छे वक्त का श्रेय अपने सात महीने के बेटे को भी देते हैं।

पिछले साल पिता बनने के सुख का अनुभव करने वाले विनीत कहते हैं, ‘मेरे बेटे का जन्म 24 जुलाई को हुआ और 25 जुलाई को मेरा शो (रंगीन) रिलीज हुआ तो कमाल ही है। पिछले साल मेरी 8 फिल्में/सीरीज रिलीज थीं तो मैंने सुना था कि बच्चे भाग्य लेकर आते हैं, अब खुद अनुभव कर रहा हूं। प्रभु करें ऐसा ही चलता रहे। बाकी, अच्छा लगता है। हालांकि, हाल ही में मुझे शॉक लगा, क्योंकि मैं राजस्थान में शूट कर रहा था। जब गया था तो दाढ़ी थी, आया तो दाढ़ी नहीं है और वह मेरी गोद में ही नहीं आ रहा था। तब मैंने अपनी आवाज से उसे ख़ुद को पहचनवाने की कोशिश की।’

पैदा होते ही शिक्षा का साथ हो गया था

विनीत की सीरीज ‘हैलो बच्चों’ शिक्षा पर आधारित है। खुद ग्रेजुएशन टॉपर और डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले विनीत ने शिक्षा की अहमियत कब समझी? इस पर वह हंसते हुए कहते हैं, ‘जब धरती पर आया, तभी समझ गया था, क्योंकि जब मेरे पिता जी ने मुझे अपनी गोद में लिया तो मैं एक गणितज्ञ की गोद में था। ’ वह आगे कहते हैं, ‘मैंने बेशक यूनिवर्सिटी में टॉप किया था पर मुझे बनना हमेशा से ऐक्टर था।’

डॉक्टर सुनकर लोग सोचते लड़का भटक गया है

एक वक्त था, जब विनीत कुमार सिंह का डॉक्टर होना ऐक्टिंग की राह में रोड़ा भी बना। इंडस्ट्री वालों को लगता था ये पढ़ा-लिखा आदमी कहां ऐक्टिंग में आ रहा है। इसलिए वह अपनी डॉक्टरी की बात छिपाने भी लगे थे। इस बारे में वह बताते हैं, ‘असल में जब मैं इस शहर में आया था, तब किसी को जानता नहीं था। एक भी इंसान ऐसा नहीं था, जो फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहा हो, जिसे मैं जानता था। मेरे सारे दोस्त डॉक्टर, इंजीनियर या खिलाड़ी थे तो जब कोई पूछता था कि क्या किया है और मैं उन्हें बताता था कि मेडिकल कॉलेज में हूं, पढ़ रहा हूं, तो उन्हें हैरत होती कि डॉक्टर हो?

टीचर के ऊपर दो सीरीज बनीं

मशहूर फिजिक्स टीचर अलख पांडे और उनकी कोचिंग फिजिक्स वाला पर पहले भी एक सीरीज बन चुकी है। ऐसे में, उस पर दूसरी सीरीज को लेकर विनीत का कहना है, ‘यह बड़ी अच्छी बात है कि एक टीचर के ऊपर दो तरीके से हम कुछ बना रहे हैं और उसे लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसके लिए, मेकर्स को सराहना चाहिए, क्योंकि हमने बहुत सारी लव स्टोरी देखी हैं। अंडरवर्ल्ड की कहानियां देखी हैं। बहुत सारे कॉप की कहानियां देखी हैं लेकिन टीचर जो राष्ट्र का भविष्य तय करता है, जो बुनियाद बनाता है, उस पर कितनी कहानियां बनती हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एक टीचर के ऊपर दो कहानियां बनी हैं।’

ओटीटी ने सभी को खूब काम दिया

विनीत बड़े पर्दे और ओटीटी पर समान रूप से सक्रिय हैं। क्या उन्हें लगता है कि ओटीटी की लोकप्रियता से थिएटर में दर्शकों की संख्या घटी है? इस पर उन्होंने कहा, ‘देखिए, ऊपर नीचे होता रहता है। वो कहते हैं ना, ‘उत्थान पतन के झूले पर संसार झुलाया जाता है।’ ग्राफ तभी बनता है और उसी से हम सीखते हैं। कुछ नया अडाप्ट करते हैं, नया खोजते हैं, यही जिंदगी है। बेशक मैंने पहली बार फिल्म बड़े पर्दे पर देखी थी। उसका अपना एक इश्क है और वो रहेगा, पर ओटीटी की बात करूं तो फिल्म इंडस्ट्री के मेरे बहुत सारे दोस्त, जिसमें ऐक्टर, डायरेक्टर, डीओपी, राइटर हर विभाग के टेक्निशियन हैं, जो अच्छे थे, मगर पहले कई महीने खाली रहते थे, आज ओटीटी की वजह से सब इतने व्यस्त हैं कि उनके पास डेट नहीं है और यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है। ओटीटी पर किसी का भी काम हो, सब तक पहुंचता है। यहां बहुत सारे प्रयोग हो रहे हैं। हम अलग-अलग तरह की कहानियां कह पा रहे हैं, जो बहुत अच्छी बात है।’

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।